केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 03 सोमवार 22 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सावन के पहले सोमवार को उमड़ेगी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सावन माह सोमवार से शुरू हो रहा है। सावन का पहला सोमवार होने के नाते श्रद्धालु भक्ति के उल्लास में हैं। मध्यरात्रि से ही सावन मास की शुरूआत होते ही शिवमंदिरों में जलाभिषेक शुरू हो जाएगा। पहले सोमवार पर भदेश्वरनाथ मंदिर में 30 हजार से अधिक श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। श्रद्धालुओं की आस्था के दृष्टिगत मंदिर प्रशासन के साथ ही पुलिस भी अलर्ट है।

लोगों से अपील की जा रही है कि पूरी श्रद्धा के साथ पूजा–अर्चन करेंगे, लेकिन सावधानी भी जरूरी है। सुबह से जलाभिषेक के लिए लगने वाली कतार के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन ने जगह–जगह बैरीकेडिंग की व्यवस्था के साथ ही सीसी टीवी कैमरे सक्रिय कर दिए। इसके अलावा कड़र शिवमंदिर, कंपनीबाग, भारीनाथ समेत पूरे जिले के शिव मंदिरों में भी जलाभिषेक के लिए तैयारी होती रही।

का. के.के. श्रीवास्तव ने सांसद प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आल इंडिया रीजनल रूरल बैंक इम्प्लाइज एसोसिएशन अरेबिया के आवाहन पर रविवार को बड़ौदा यूपी बैंक सेवानिवृत्त कार्मिक समिति के अध्यक्ष कामरेड के.के. श्रीवास्तव ने सांसद रामप्रसाद चौधरी के प्रतिनिधि को मांगो से सम्बंधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि बेहतर ग्राहक सेवा तथा वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा अनुमोदित 'मैनपॉवर प्लानिंग' का ग्रामीण बैंकों द्वारा अनुपालन, व्यवसाय वृद्धि के अनुसार प्रतिवर्ष समय से स्टाफ की भर्तियाँ तथा प्रोन्नति प्रक्रिया तथा इस सम्बन्ध में एचआर कमेटी की रिपोर्ट लागू करते हुए प्रमोशन की शर्तों में छूट प्रदान की जाये, समान कार्य हेतु समान वेतन के नियम का पालन करते हुए न्यूनतम मजदूरी का भुगतान किया जाये जैसा कि आकस्मिकःदैनिक वेतनभोगियों के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश हैं और ऐसे सभी दैनिक वेतनभोगियों का एकमुश्त नियमितीकरण किया जाए।

इसी तरह ग्रामीण बैंकों को तत्काल भारत सरकार द्वारा जारी आदेश 8 जुलाई 2024 को 12 वें द्विपक्षीय वेतन समझौते तथा 9वें ज्वाइंट नोट 8 मार्च 2024 के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रदत्त समानता के सिद्धांत के अनुसार पूर्णता तथा समग्रता के साथ लागू किया जाये। उक्त मुद्दों पर सभी संसद सदस्यों से सहयोग का आग्रह किया गया है। इसी कड़ी में बस्ती के सांसद को सम्बंधित ज्ञापन उनके प्रतिनिधि को भेजा गया।

धरना 30 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ बस्ती इकाई की एक आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष डॉ सुधाकर पाण्डेय के अध्यक्षता में जिला कार्यालय दिव्यांश मेडिकल सेन्टर पर सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन जिला महामंत्री राहुल श्रीवास्तव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से 30 जुलाई को विभिन्न मांगों को लेकर लखनऊ में होने वाले धरना –प्रदर्शन की रणनीति बनाई गई जिसमें अपने जनपद से ज्यादे से ज्यादे लोगों का प्रतिभाग कराने को कहा गया और संगठन द्वारा चलाये जा रहे सदस्यता अभियान पर जोर दिया गया कि जनपद के चौदहों ब्लॉक में सम्पर्क कर ज्यादे से ज्यादे लोगों को ऑनलाइन सदस्यता दिलाया जाय तथा संगठन की ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन कराया जाय।

मोदी सरकार में शामिल जयंत चौधरी बोले, क्या कुर्ते पर भी नाम लिखवा लें

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्गों पर मौजूद दुकानों के सामने नेमप्लेट लगाने के आदेश से विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले को लेकर राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार अपने सहयोगी दलों के ही निशाने पर आ गई है। एनडीए में शामिल आरएलडी के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने नेमप्लेट वाले फैसले को लेकर रविवार को अपना विरोध जताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि क्ध्या अब कुर्ते पर भी नाम लिखवा लें? जयंत ने कहा, 'कांवड़ यात्री जाति और धर्म देखकर किसी दुकान पर सेवा नहीं लेता है। इस मुद्दे को धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि ज्यादा समझकर फैसला नहीं लिया गया है। अब फैसला हो गया तो सरकार उस पर टिकी हुई है। सरकार में कभी–कभी ऐसा हो जाता है। मगर, अभी समय है और सरकार को फैसला वापस ले लेना चाहिए। जयंत चौधरी ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'सब प्रतिष्ठान अपना नाम लिखें, यह सही नहीं है। आखिर मैकडॉनल्ड क्या लिखेगा। खतीली में बर्गर किंग की दुकान है तो वो क्या लिखेगा। सरकार या तो फैसला वापस ले या फिर प्रशासन इस पर कोई जोर न दे। जो दुकानदार अपनी मर्जी से नेमप्लेट लगाना चाहें, वहीं लगाएं। हालांकि, मैं ऐसा देख रहा हूं कि कहीं प्रशासन की ओर से दुकानदारों' पर जोर–जबरदस्ती नहीं की जा रही है।' उन्होंने कहा कि जहां तक वेज और नॉनवेज की सवाल है, उसमें सेंस है। अगर कोई वेजेटेरियन है तो उसके सामने यह प्रमाणित होना चाहिए कि जो चीज वह खा रहा है, वो वेज ही हो। मगर, क्या हम इस पर पाबंदी लगा सकते हैं कि नॉनवेज खाने वाला आदमी वेज चीज न बनाए या न परोसे? आप देखिए कि मुसलमान वेजिटेरियन हैं और हिंदू मीट खाने वाले भी हैं।किसी पत्रकार ने जयंत चौधरी से कहा कि अब तो यूपी में टायर और पंचर की दुकानों पर भी नेमप्लेट लग रहे हैं। इस पर रालोद अध्यक्ष ने कहा, 'आखिर कहां–कहां नाम लगाओगे। क्या अब कुर्ते पर भी लिखवाना शुरू करेंगे कि किससे हाथ मिलाना है और किसे गले लगाना है।' गौरतलब है कि मुजफ्फरनगर जिला पुलिस ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर खाने–पीने की सभी दुकानों पर मालिकों का नाम प्रदर्शित करने का आदेश जारी किया है।

पर्यावरण प्रेमी गौहर अली ने पौधों की सेवा कर दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को समाजसेवी पर्यावरण प्रेमी गौहर अली ने शरद पाण्डेय के साथ तहसील परिसर और कलेक्ट्रेट में लगाये गये पौधों की कटाई, छटाई, निराई गुडाई किया। भीषण गर्मी और तपिस में पौधों की सेवा करने के बाद गौहर अली ने कहा कि ऐसा करके उन्हें सुकून मिलता है। बिना पेड़ पौधों के पशु से लेकर इंसान तक का जीवन असंभव है। कहा कि पेड़ जरूर लगाये लेकिन उनकी सेवा करते रहे। केवल फोटो खिचवाने की नीयत से पेड़ लगाने वाले भूल जाते हैं। पेड़ पौधों की सेवा से ही वे वृक्ष का आकार लेते हैं। कहा कि अच्छा हो कि सरकारी विभागों द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' जो पौधे रोपे जा रहे हैं उनके सुरक्षा की भी व्यवस्था हो। बिना ट्री गार्ड के लगाये गये पौधे अक्सर नष्ट हो जाते हैं।

शिविर में 8 लोगों ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को सावन कृपाल रूहानी मिशन द्वारा कृपाल आश्रम मंगलबाजार माली टोला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वृजेश आनन्द, सर्वेश कुमार, आयुष, डा. एस.के. वर्मा, संदीप लखमानी, दीपक तलवेजा, रिद्धि तलवेजा, धर्मेन्द्र ने रक्तदान किया।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कुमार, सचिव चेतन आनन्द ने बताया कि मिशन द्वारा मानवता की सेवा के लिये रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। रक्तदान के द्वारा हम संकट के समय लोगों की जान बचाकर पुण्य के भागी बनते हैं।

रक्तदान शिविर को सम्पन्न कराने में बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के विजय कुमार सिंह, आलोक चौधरी, अवधेश कुमार ने योगदान दिया।

विष्णुदत्त ओझा की स्मृति में रक्तदान शिविर 25 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं मण्डलीय गौरक्षा समिति के संस्थापक योगी आदित्यनाथ के अनन्य सहयोगी एवं हिन्दू युवा वाहिनी उ.प्र. के स्थापन प्रदेश संयोजक स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा के 13 वीं पुण्य तिथि पर आगामी 25 जुलाई गुरूवार को टाउन क्लब गांधीनगर के परिसर में दिन में 11 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है.

यह जानकारी देते हुये विष्णुदत्त ओझा रक्तदान एवं जन सेवा समिति के संयोजक एवं स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा के अनुज नन्दीश्वर दत्त ओझा ने बताया कि जिला चिकित्सालय बस्ती के चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा रक्तदान शिविर सम्पन्न कराया जायेगा। बताया कि प्रतिवर्ष स्वर्गीय विष्णुदत्त ओझा की स्मृति में युवा रक्तदान कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर छात्रों ने दिया गुरु वंदना की प्रस्तुति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल में गुरु पूर्णिमा और वेदव्यास जयंती का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर गुरू महिमा का गान किया।

प्रिंसिपल सुभाष जोशी जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और शिव की उपाधि दी गई है। गुरु पूर्णिमा का महत्व वैदिक धार्मिक ही नहीं अपितु शैक्षिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है । गुरु गोविंद दोनो खड़े काकू लागें पाय! बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताय।

नृत्य का प्रशिक्षण दे रहे नृत्य गुरु मास्टर शिव ने कहा कि गुरु बुद्धि और मार्गदर्शन प्रेरणा और भक्ति शक्ति का ऊर्जा स्रोत है।

नृत्य गुरु मास्टर शिव के कुशल निर्देशन में गुरु वंदना की प्रस्तुति आराध्या, अस्थाना, प्रियांशी गौड़, रिद्धिमा सिंह, नव्या चौधरी, कीर्ति दीप श्रीवास्तव ,रिद्धिमा विश्वकर्मा, यश, अरनव ,आथित्य, नितेश, उत्कर्ष, शिवेश ,वैभव, रौनित, मधु शुक्ला, प्रीती मिश्रा आदि ने प्रस्तुति दी।

केन्द्रीय बजट पर टिकी हैं देश की निगाहें

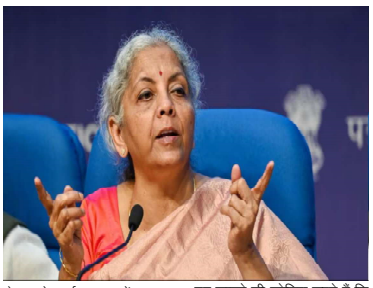

नई दिल्ली (आभा)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट 23 जुलाई को आएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को अपना लगातार सातवां बजट पेश कर एक रिकॉर्ड बनाएंगीं। आम चुनावों के बाद आने वाले इस बजट में सरकार की घोषणाओं पर सबकी नजर बनी हुई है। इस बार के चुनाव परिणामों में केंद्र में 10 साल तक बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज रही भारतीय जनता पार्टी को बहुमत से कम सीटों से संतोष करना पड़ा है। सत्ताधारी दल की सीटों में कमी का सबसे बड़ा कारण जनहित के मुद्दों पर केंद्र की अनदेखी को माना जा रहा है।

चुनाव से पहले विपक्षी दलों ने किसानों, बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं, महिलाओं और नौकरीपेशा लोगों की परेशानियों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरा और वे बहुत हद तक अपने मकसद में सफल भी रहे। ऐसे में यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि इन वर्गों के लोगों को सरकार इस बार के बजट में क्या तोहफा देती है। जानकारों का मानना है कि अपने तीसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण बजट में सरकार महिलाओं–किसानों और युवाओं के लिए खजाना खोल सकती है। युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने के नए उपाय बजट में दिखाई दे सकते हैं, तो महिलाओं को लखपति बनाने की भाजपा की योजना को आगे बढ़ाने के लिए सरकार भारी निवेश की घोषणा कर सकती है।

इस बार किसानों को बजट से क्या अपेक्षाएं हैं यह जानने से पहले यह जानने की कोशिश करते हैं कि इसी साल फरवरी में पेश किए गए अंतरिम बजट में किसानों के लिए क्या–क्या घोषणाएं की गईं थीं। लोकसभा चुनावों से पहले पेश हुए अंतरिम बजट में वित्त मंत्री ने ग्रामीण विकास पर जोर देते हुए अपने बजट भाषण में बताया था कि किसान हमारे 'अन्नदाता' हैं। अंतरिम बजट में वित्त मंत्री ने फसल कटाई के बाद की गतिविधियों में निजी और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा देने का एलान किया था। इसके साथ ही सभी कृषि–जलवायु क्षेत्रों में नैनो–डीएपी के इस्तेमाल के विस्तार की बात कही गई थी। तिलहनों के लिए आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए श्आत्मनिर्भर तिलहन अभियानश शुरू करने का एलान किया गया था। डेयरी विकास के लिए व्यापक कार्यक्रम बनाने की बात भी वित्त मंत्री ने की थी। इसके साथ ही जलीय कृषि उत्पादकता बढ़ाने, निर्यात दोगुना करने और अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने की चर्चा की गई। मत्स्य पालन के क्षेत्र के लिए पांच एकीकृत एक्वा पार्क स्थापित करने का भी एलान वित्त मंत्री ने किया था।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट से पहले किसानों के प्रतिनिधियों, कृषि विशेषज्ञों और कृषि से जुड़े विभागों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और उनके सुझाव लिए। वित्त मंत्री ने कृषि और किसानों को मजबूत बनाने के लिए उनके विचार समझे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा दूकानों पर नाम लिखने का मामला

नई दिल्ली (आभा)। उत्तर प्रदेश में कांवड़ रूट पर पड़ने वाली दुकानों पर दुकानदारों के नाम लिखे जाने वाला मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। कोर्ट में याचिका दायर कर उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश को चुनौती दी गई है। कोर्ट सोमवार को इस मामले में सुनवाई करेगा। उल्लेखनीय है कि यूपी सरकार ने पिछले दिनों आदेश दिया था, जिसमें कांवड़ रूट पर पड़ने वाले भोजनालय समेत अन्य सभी दुकानों के बाहर दुकानदारों के नामों का लिखा जाना अनिवार्य कर दिया गया। इस फैसला का खुद बीजेपी के सहयोगी दलों ने विरोध किया है।

जस्टिस ह्रषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच सोमवार को इस मामले की सुनवाई करेगी। याचिका को एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नामक एनजीओ ने दायर किया है। सबसे पहले मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर जैसे जिलों में पुलिस प्रशासन ने दुकानदारों को निर्देश दिया था, जिसके बाद यूपी सरकार ने इस बाबत आदेश भी जारी किया। इसके बाद से ही विवाद शुरू हो गया। एनडीए में शामिल जेडीयू, आरएलडी जैसे दलों ने यूपी सरकार से ऑर्डर वापस लेने की मांग की है। वहीं, अखिलेश यादव, मायावती, प्रियंका गांधी आदि विपक्षी दलों के नेताओं ने भी आदेश का विरोध किया है।

स्टेशन रोड का निर्माण शुरू: अति शीघ्र शुरू होगा मालवीय रोड का निर्माण– अंकुर वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार से दक्षिण दरवाजा से रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य आरम्भ हुआ। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने बताया कि सुयश होटल से रेलवे स्टेशन के सड़क की हालत बहुत खराब थी। इस सम्बन्ध में नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने लगातार सड़क निर्माण के लिये पत्राचार किया और बजट स्वीकृत होने के साथ ही सड़क का निर्माण शुरू हो गया है जो शीघ्र बनकर तैयार हो जायेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने बताया कि मालवीय रोड़ से रोडवेज तक के सड़क निर्माण हेतु प्रक्रिया चल रही है और अति शीघ्र इसका भी निर्माण प्राथमिकता के स्तर पर पूरा कराया जायेगा। नारियल फोड़कर विधि विधान से सड़क का निर्माण शुरू होने के साथ ही स्थानीय लोगों में प्रसन्नता है। अंकुर वर्मा ने बताया कि भव्या पैलेस से सुयश होटल तक सी.सी. रोड और शेष हाट मिक्स प्लान्ट सड़क का निर्माण होगा। पानी लगने के कारण यहां सड़क खराब हो जाती है इसलिये सीसी रोड बनवाने का निर्णय लिया गया। इस सड़क के बन जाने से लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। अंकुर वर्मा ने बताया कि बस्ती शहर को विकसित करने की दिशा में नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा के दिशा निर्देशन में लगातार प्रयास जारी है और बरसात में जल जमाव से मुक्ति के लिये पूरा प्रबन्ध कराया गया है।

सड़क निर्माण शुरू होने के मौके पर विभागीय एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं गुरु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखंड एवं संकल्प चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में कटेश्वर पार्क स्थित आस्था आयुर्वेदिक एक्यूप्रेशर सेंटर पर गुरु पूर्णिमा दिवस पर गोष्ठी का कार्यक्रम ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान की अध्यक्ष डॉ अर्चना दुबे एक्यूप्रेशर जगत की पहली महिला जिन्होंने एक्यूप्रेशर में पीएचडी की हैं, उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि एक्यूप्रेशर चिकित्सा विधा के पुरोधा स्वर्गीय माता प्रसाद खेमका जी का ज्ञान भारत वर्ष ही नहीं पूरे विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय है और मैंने भी यह संकल्प लिया है कि इस एक्यूप्रेशर विद्या को जन–जन तक पहुंचाऊंगी।

डॉ अर्चना दुबे ने बताया कि गुरु की कृपा व्यक्ति के हृदय का अज्ञान व अंधकार दूर करता है, गुरु का आशीर्वाद ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं, अतः गुरु के प्रति हमेशा श्रद्धा व समर्पण भाव रखना चाहिए।

संस्थान के निदेशक डॉ नवीन सिंह ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के पवित्र पावन पर्व पर आज पूरे भारतवर्ष से कई प्रदेशों से गुरु भाई जुड़े हुए हैं इन सब की गुरु के प्रति भक्ति जरूर रंग लायेगी।

उन्होंने कहा कि जहां से भी कुछ अच्छा सीखने को मिलता है और जो हमारे ज्ञान को स्पष्ट करता है, चाहे फिर वह कोई भी व्यक्ति हो या कोई पदार्थ या कोई अच्छा ग्रंथ, उसका हृदय से आभार मानना चाहिए, इसलिए केवल गुरु पूर्णिमा के दिन ही नहीं, बल्कि हमेशा गुरु को याद करना चाहिए। इसके साथ ही जहां से भी कुछ अच्छा सीखने को मिले या जहां से भी अच्छे मार्गदर्शन व श्रेष्ठ संस्कार मिले, उन सब का भी धन्यवाद करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन करती श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व गुरु के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने के लिए आषाढ़ माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। गुरु शब्द का अर्थ होता है अज्ञान के अंधकार को दूर करने वाला। इसके साथ ही उन्होंने गोष्ठी में आए हुए सभी गुरु भाई बहनों का स्वागत कर आभार जताया।

कार्यक्रम में योगाचार्य राम मोहन पाल, डॉ शकील मोहम्मद सिद्दीकी, रामबाबू सिंह, वेदांत सिंह,डॉ आर. एन.जायसवाल, जगत,अंजू ,जया ,वीना, गुरुदेव, इंदिरा, किरण भिड़े, दिनेश, बृज जी,शुभा,मनीषा आदि मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर किया योग और यज्ञ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत स्वाभिमान और महिला पतंजलि योग समिति के नेतृत्व में पतंजलि योग समिति, किसान सेवा समिति एवं युवा भारत के द्वारा सामूहिक रूप से हरी मैरिज हॉल मालवीय रोड बस्ती में गुरू पूर्णिमा का पर्व भारत स्वाभिमान की महामंत्री एवं आजीवन सदस्य श्रीमती सरोज त्रिपाठी की अध्यक्षता में अत्यन्त हर्षोल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

सर्वप्रथम सामूहिक योग शिविर में योग शिक्षक जवाहर लाल एवं बबली शर्मा ने साधकों को भस्त्रिका, कपालभाति, वाह्य, अग्निसार,उज्जायी, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, उद्गीथ प्रणायाम तथा सूर्य नमस्कार, मण्डूकासन, शशकासन, गोमुखासन आदि का अभ्यास कराते हुए इसके वैज्ञानिक लाभ भी बताये। इसके पश्चात वैदिक यज्ञ कराते हुए योग प्रशिक्षक गरुण ध्वज पाण्डेय ने जीवन में गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला। ओम प्रकाश आर्य जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान समिति बस्ती ने कहा कि गुरू अग्नि की भाँति होता है जो उसकी शरण में आता है वह उसको नया स्वरूप देकर उसकी ज्ञान व चारित्रबल को हजारों गुना बढ़ा देता है। गुरु के पास अलग–अलग परिवेश, संस्कार व स्वभाव वाले शिष्य आते हैं पर आचार्य उन सबको अपना प्रतिरूप बना देते हैं। योग प्रशिक्षक डा. नवीन सिंह गुरू अपने आचरण से से अपने शिष्यों को सिखाता है इसलिए ही आचार्य कहलाता है। कोषाध्यक्ष नवल किशोर चौधरी ने संस्था द्वारा किये जा रहे बहुआयामी लोककल्याणकारी कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि जिला में योग के साथ ही आयुर्वेद का प्रचार प्रसार किया जायेगा और जड़ी बूटी के खेती के प्रशिक्षण से लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। कामना पाण्डेय जिला प्रभारी महिला पतंजलि योग समिति बस्ती ने बताया कि शिष्य वह है जो ज्ञान के रूप में कुछ पाना चाहता तथा समर्पण के रूप अपने आपको खोना चाहता है ताकि वह अपने आस्तित्व को मिटाकर गुरू का प्रतिबिम्ब बन सके।

कार्यक्रम के अन्त में गुरू के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लोगों ने गुरुदक्षिणा अर्पित की। आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते योग प्रशिक्षक गरुण ध्वज पाण्डेय ने बताया कि दिनांक 4 अगस्त को जड़ी बूटी दिवस के अवसर पर औषधीय पौधों का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर राम मोहन पाल, चंद्रप्रकाश चौधरी, सार्थक शर्मा, डॉ वीरेन्द्र त्रिपाठी,रश्मि गुप्ता, बबली शर्मा, पुष्पा सिंह, विमला सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 जुलाई 2024 सोमवार

सम्पादकीय

जिन्दगी की जरूरत हैं पेड़ पौधे

कोरोना काल को याद कीजिये जब कोविड प्रभावित लोग ऑक्सीजन के बिना तड़प तड़प कर मर रहे थे। पैसे खर्च करने पर भी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। देश के तमाम ऑक्सीजन प्लांट्स के फेल होने की खबरें सुनाई दे रही थीं। शमशान घाट लाशों से पटे पड़े थे। नदियों में लावारिस लाशें तैरती नजर आ रही थीं। उसी दौरान अनेक समझदार लोग ऐसे भी थे जिन्होंने पेड़ों पर अपना डेरा बना लिया था। कोई पेड़ के ऊपर चारपाई बांध कर लेटा बैठा रहता था तो तमाम लोग शुद्ध व ताजी ऑक्सीजन की चाह में पेड़ों के नीचे पनाह लेने को मजबूर थे। उस दौर में देश के लाखों ग्रामीणों ने तो बगीचों में ही अपना लगभग स्थाई अड्डा बना लिया था। गोया महामारी जैसे संकट के उस दौर में भी प्रकृति हमें पेड़ों व दरख्तों के माध्यम से निःशुल्क ऑक्सीजन प्रदान कर रही थी। एक युवा पेड़ हमें एक वर्ष में लगभग 7 क्विंटल ऑक्सीजन प्रदान करता है जबकि हमारे लिये हानिकारक व हमारे ही द्वारा विभिन्न माध्यमों से छोड़ी जाने वाली लगभग 20 टन कॉर्बन डाई ऑक्साइड को भी खींच (सोख) लेता है।

आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग का शिकार है। गत दस वर्षों से पृथ्वी के लगातार बढ़ते तापमान के कारण पूरे विश्व में ग्लेशियर पिघलने लगे हैं।आदिवासियों से उनके जल जंगल जमीनों के अधिकार छीन कर उद्योगपतियों के हवाले किये जा रहे हैं। ब्राजील से लेकर भारत तक बड़े पैमाने पर विकास के नाम पर वृक्षों की कटाई की जा रही है।मिसाल के तौर पर मध्य भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य वन के लाखों पेड़ अडानी द्वारा संचालित परसा ईस्ट केते बासेन कोयला खदान के विस्तार के लिये स्थानीय ग्रामीणों व आदिवासियों के प्रबल विरोध के बावजूद पुलिस बल की निगरानी में काटे जा रहे हैं। जबकि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण दिवस पर श्एक पेड़ माँ के नामश अभियान का संकल्प लिया है। प्रचार के अनुसार इसी अभियान के तहत मध्यप्रदेश में साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाए जाएंगे और इसी क्रम में 51 लाख पौधे केवल इंदौर में लगाये जाने की योजना है। इस समय देश का शायद ही कोई ऐसा विभाग हो जिसने वृक्षारोपण को लेकर सक्रियता न दिखाई हो।

इसका एक प्रमुख कारण यह है कि इस वर्ष गर्मी का जितना प्रकोप भारत सहित पूरी दुनिया ने झेला उतनी प्रचंड गर्मी पहले कभी नहीं देखनी व सहनी पड़ी। पूरे विश्व में लाखों लोग तेज गर्मी की तपिश सहन न करते हुये तड़प कर मर गये। इसलिये इस भीषण गर्मी में भी लोगों को वृक्षों ने आकर्षित किया तथा पेड़ों ने अपनी जरूरत का एहसास कराया। गौरतलब है कि एक बड़े वृक्ष के नीचे औसतन चार डिग्री तापमान कम रहता है। साथ ही यही वृक्ष तेज धूप की तपिश से भी बचाता है। वर्तमान युग में बढ़ती गर्मी का एक कारक प्रदूषण भी है। प्रदूषण में धुएं के अतिरिक्त धूल मिटटी शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण का भी अहम योगदान है। परन्तु एक स्वस्थ वृक्ष एक वर्ष में न केवल 20 किलोग्राम से अधिक धूल मिट्टी अपने आप में सोख लेता है बल्कि शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण को भी कम करता है। इतना ही नहीं बल्कि यही वृक्ष करीब 1 लाख वर्ग मीटर प्रदूषित हवा का भी निस्पंदन करता है। यही वृक्ष 80 किलोग्राम पारा, लीथियम व लेड जैसी जहरीली धातुओं के मिश्रण को भी सोखने की क्षमता रखता है।

पेड़ पौधों की अहमियत को वैसा तो कोविड काल ने ही लोगों को ठीक से समझा दिया था। खासकर शहरी जीवन बिताने वाले लोगों को तो कुछ ज़्यादा ही। क्योंकि कोविडकाल के बाद पूरे देश में शहरी इलाकों में गमलों व इनमें पौधे लगाने का चलन पहले से कई गुना ज़्यादा बढ़ गया है। पक्की फर्श वाले मकानों में रखे हुये पर्याप्त मात्रा में गमले में लगे पौधे बेशक एक घर के तापमान को तो नियंत्रित करने व ऑक्सीजन देने की क्षमता तो रखते ही हैं। यह कोविड काल की ही दहशत है जिसके चलते पूरे देश में प्लास्टिक,मिटटी व सीमेंट के गमलों तथा नर्सरीज में पौधों की बिक्री कोविड काल के बाद कई गुना अधिक हो चुकी है।

वृक्षों का बादलों से भी गहरा नाता है। आम तौर पर रेगिस्तानी क्षेत्रों में बारिश इसलिए नहीं होती या अत्यधिक कम होती है क्योंकि वहां पर्याप्त संख्या में वृक्ष नहीं होते। जबकि दुनिया में अनेक घने जंगलों के इलाके ऐसे भी हैं जहाँ घने जंगलों के कारण अत्यधिक वर्षा होती है। ऐसे घने जंगलों को वर्षावन भी कहा जाता है। गोया वृक्ष,बादल ,बारिश हरियाली मानव जीवन और खुशहाली का आपस में एक दूसरे से सीधा नाता है। नदी नालों के कटाव को रोकने में भी वृक्ष अहम भूमिका अदा करते हैं। यानी बाढ़ रोकने में सहायक होते हैं। हमें अध्ययन करने से तो यहाँ तक पता चलता है कि समुद्री किनारों पर पाए जाने वाले मैंग्रोज के पेड़ व इन के घने जंगल सुनामी की गति को नियंत्रित करने तक का काम करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि यह समुद्री क्षेत्र के विस्तार को भी रोकते हैं। जबकि इन पेड़ों की आधी जड़ें भी धरातल के ऊपर होती हैं।

बहरहाल,वृक्षारोपण को इस समय मानव जीवन के अस्तित्व से जोड़कर देखने की जरुरत है। किसी सरकार,शासन या प्रशासन की तरफ मुंह देखने के बजाये जनता को स्वयं इसे जनांदोलन के रूप में लेना होगा और अपनी आदतों में शामिल करना होगा। याद रहे कि सरकारें वृक्षारोपण का शोर कर सकती हैं,इसपर चलाये जाने वाले अभियान का प्रचार कर सकती हैं,इसके नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा सकता है। और तो और लगे लगाये दरख्तों व जंगलों को कार्पोरेट्स के हित में कटवाने की भागीदार भी हो सकती हैं। विज्ञापनों व साक्षात्कार के माध्यम से इसके महत्व का बखान कर सकती हैं परन्तु चूँकि यह 'वोट बैंक' से जुड़ा विषय नहीं इसलिये इसके प्रति उतनी गंभीरता नहीं दिखातीं जितनी कि जरूरत है। लिहाजा आज देश के प्रत्येक नागरिक को चाहे वह बच्चा,बूढ़ा,जवान महिला कोई भी हो उसे वृक्षारोपण को अपनी आदतों में शामिल करना होगा। स्वयं उसकी देखभाल व निगरानी करनी होगी।मां के नाम का केवल एक पेड़ ही काफी नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को खासतौर पर वर्षाऋतु में जहाँ और जितने हो सकें अधिकतम वृक्ष लगाने होंगे। इसी अपने जीवन की दैनिक गतिविधियों में शामिल किये जाने की जरुरत है। शादी विवाह,मरना जीना ,जन्मदिन मरणदिन विवाह अथवा जन्म या मृत्यु की सालगिरह बरसी प्रत्येक अवसर को यादगार बनाने हेतु हर इन अवसरों पर वृक्षारोपण करें। यदि धरती के बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षारोपण के प्रति अब भी हम गंभीर व सक्रिय नहीं हुये तो और कब होंगे

सौन्दर्यवाद: बाजारवाद का एक खतरनाक उपकरण

—डा0 राजेश कुमार शर्मा—

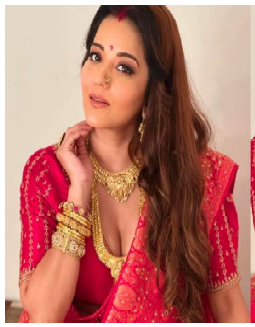

स्त्री बंदिनी है, शोषित है, जबकि यह भी सत्य है कि बाजार के विस्तार में वो पहले से है कई गुना जागरूक और सक्रिय भूमिका निभा रही है। क्या स्त्रियां इनके माध्यम से अपनी परंपरागत छवियों से बाहर आ रही हैं? या वास्तव में मां, पत्नी और गृहिणी की परंपरागत छवि इनके माध्यम से और पुख्ता हो रही है? ब्रांड का प्रचार कर अधिकाधिक मुनाफे का लक्ष्य रखने वाले विज्ञापनों में क्या स्त्री छवि केवल उप–उत्पाद है ? बात सब्जी, अचार, मिठाइयों की करें या भाषा, वेश–भूषा या व्यवहार की उसके अंतरंग स्वाद को सिरजने की कल्पना महज स्वप्न लगता है। छानती, बीनती, कूटती है, अक्सर फटकार भी लेती है स्त्रियां, पर अब अनचाहे किसी काम को अपने पास फटकने भी नहीं देती।

प्रचार से ज्यादा खतरनाक है दुष्प्रचार। इन दिनों जो कुछ भी सौंदर्य के नाम पर दिखाई देता है उसमें दुष्प्रचार की मात्रा बहुत ज्यादा लगती है जो आज की स्त्री की स्वीकृति के बिना संभव नहीं। व्यावसायिक विज्ञापनों में रचे बसे अंधेरे की रहस्यमयी सुरंगों से बुनी यह दुनिया जानी–पहचानी भी है और घनघोर अपरिचित भी। स्त्री की अंतर्यात्रा की ये पगडंडियां अंततः एक ही सवाल की ओर जाती है कि घर, समाज, राष्ट्र और समय की बुनियाद भी है स्त्री। स्त्री का यह स्वरूप आत्मानुशासन भी सिखाता है और सह– अस्तित्व की जरूरत भी। लेकिन अब जो समय बदला है उस पर बात क्यों नहीं होती ? घर जो लगभग हर स्त्री से दूर हो चुका हैं जिसे वो बसाना नहीं चाहती। हमारे इधर बुद्धिजीवियों की स्वाधीनता का अर्थ बदलाववाद कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। लेकिन स्त्रियों में बदलाववाद के नाम पर जो दिशा तीव्र गति से अपनाई गई है उसमें सह–अस्तित्व जैसा कुछ भी नजर नहीं आता। दरअसल हमने स्त्री मुक्ति का सही अर्थ ही नहीं समझा। आज समय बहुत ज्यादा बदल चुका है। स्त्री की स्थिति में बदलाव की वजह से सौंदर्य की अगर परिभाषा बदल चुकी है तो फिर तस्त्रियां क्यों हमने पुरानी लगा रखी है स्त्री विमर्श के नाम पर।

भारतीय संस्कृति के इस कन्या कपट ने देश में वासनावाद को विस्तारित किया है। नग्न नारी देह ही क्या प्रेम संवाद या किसी वस्तु उत्पाद को बेचने का भार संभाल सकती है? कला के नाम पर कलंक रचने वाली संस्कृति सौंदर्य के सही अर्थ से पिछड़ चुकी है और यह कहाँ नहीं फैला है, विज्ञापन से लेकर विश्वविद्यालयों तक, कॉर्पोरेट कल्चर क्लबों तक प्रेम का पिज्जा मैकडॉनल्ड में तैयार हो रहा है और हम कहते हैं कि वह सौंदर्य है। यह तो एक किस्म का सृजनात्मक ध्वंस है जो नौकरी या कमाई के नाम पर नारी को नग्न करता है। इसमें स्त्रियों की सहभागिता न स्वीकारना एक खतरनाक भविष्य की नींव रखने जैसा है। अब केवल शोषित स्त्री पर विमर्श ही नहीं दिशाहीन स्त्री पर भी बात और विमर्श होनी चाहिए।

(लेखक राजकीय महाविद्यालय, रूधौली जनपद बस्ती में प्रोफेसर है)

कौन हटाना चाहता है योगी को ?

—अभिनव आकाश—

लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर 'अपनों' के वार बढ़ गए हैं। भाजपा और एनडीए के सहयोगी दल सवाल उठा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में लखनऊ में परिणाम की समीक्षा हुई और नेताओं को अनुशासन के साथ एकजुटता का पाठ पढ़ाया गया था। भाजपा एमएलसी देवेंद्र सिंह का सीएम योगी को लिखा पत्र सामने आया है। सिंह ने पत्र में लिखा है, क्या कारण है जनता सरकार से नाराज हो गई? सरकार की छवि शिक्षक–कर्मचारी विरोधी बन गई है। नौकरशाहों के फैसलों से जनाक्रोश है। कोरोनाकाल में 1,621 शिक्षक काल के गाल में समा गए। अब शिक्षकों को डिजिटल हाजिरी के नाम पर प्रताड़ित किया जा रहा है। यह ठीक नहीं है।

बीजेपी के अंदर काफी तनाव है। प्रधानमंत्री जी अमित शाह को उत्तराधिकारी बनाना चाहते हैं। बाकी लोग ये नहीं चाहते हैं। बीजेपी वालों ने खंडन नहीं किया है कि योगी जी को हटाया जा रहा है। ये बात दबी जुबान में पूरे देश में चल रही है। अगला नंबर योगी आदित्यनाथ का है। ये 2 महीने के भीतर उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बदल देंगे।' चुनाव प्रचार के लिए तिहाड़ जेल से जमानत पर बाहर आए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने 11 मई को 21 मिनट की स्पीच में ऐसे–ऐसे दावे किए, जिसके काउंटर के लिए खुद देश के गृह मंत्री को प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए मैदान में उतरना पड़ा। अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी के पीएम का सवाल उठाकर उस फेस वैल्यू के नैरेटिव को पलटने की कोशिश की, जो विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक को लगातार रक्षात्मक मुद्रा में बनाए हुए था। इसके साथ ही आप संयोजक मोदी के कथित उत्तराधिकारियों–अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के बीच दरार पैदा करने की कोशिश के तहत इस बहस को हवा देने की चाल चली। दोनों ही नेताों को अलग–अलग कारणों से अलग–अलग वर्गों की तरफ से स्पष्ट उत्तराधिकारी माना जाता है। एक वक्त था जब पीएम मोदी के उत्तराधिकारी के तौर पर गृह मंत्री अमित शाह को देखा जाने लगा था। लेकिन योगी आदित्यनाथ ने जब से यूपी की सत्ता संभाली है। सख्त शासन के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। तब से देश की जनता योगी आदित्यनाथ को मोदी के उत्तराधिकारी के रूप में देखने लगी है। र कैंपेनर के लिहाज से देखें तो उन्हें भाजपा नेताओं में मोदी के बाद दूसरे स्थान पर माना जाता है। बीजेपी हलकों में दोनों के बीच के आपसी रिश्तों को लेकर संशय जताई जाती रही है। लेकिन इन दिनों उत्तर प्रदेश की राजनीति ने दिल्ली का पारा भी बढ़ा कर रख दिया है। कोई कह रहा है कि आत्मविश्वास से हारे, लेकिन सवाल किसके आत्मविश्वास से हारे? कोई कह रहा है कि सरकार संगठन से बड़ा नहीं होता, कौन सी सरकार है जो संगठन से बड़ी हो गई है? कोई कह रहा कि अधिकारी काम नहीं कर रहे, कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं हो रहा, किन कार्यकर्ताओं की नहीं सुनी जा रही है? कोई कार्यकर्ताओं के आत्मविश्वास पर ठीकरा फोड़ रहा है। कोई संगठन और सरकार के बीच की लकीर खींच दे रहा है। बयान कई हैं, लेकिन इसके मायने क्या है? कुल मिलाकर कहें तो अरविंद केजरीवाल ने जो बयान दिया था उसके ईर्द–गिर्द सुर्खियां बुनी गई उसे लेकर लिए अंदरखाने बातचीत अब भी चल रही है। सरकार और संगठन के बीच क्या सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

साल 2014 के चुनाव में बीजेपी ने यूपी की 80 में से 71 सीटों पर जीत दर्ज की तो इसका श्रेय मोदी शाह की जोड़ी को गया। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 में से 62 सीटों पर भगवा लहराया तो इसके मैन ऑफ द मैच यही दोनों जोड़ी रही। लेकिन साल 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खाते में 33 सीटें गई तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? यूपी की राजनीति में लेकिन इससे उलट एक अलग ही खेल चल रहा है। जब से यूपी में बीजेपी की सीटें घटी तब से ऐसा लग रहा है कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर इस हार का ठीकरा फोड़ने की कोशिश की जा रही है। योगी आदित्यनाथ समर्थकों का कहना है कि चुनाव दिल्ली ने अपने हिसाब से लड़ा था। चुनाव के क्रम में योगी आदित्यनाथ की बात नहीं सुनी गई। टिकटों को भी नहीं बदला गया। वैसे ये कोई नया नहीं है कि योगी आदित्यनाथ लखनऊ से दिल्ली तक सुर्खियों में न बने रहे हो। सत्ता संभालने के बाद से ही इस बात की चर्चा हमेशा से होती रही कि केंद्र और यूपी की बागडोर संभालने वाले योगी में सब ठीक नहीं है और उन्हें सत्ता से हटाया जा सकता है।

लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर 'अपनों' के वार बढ़ गए हैं। भाजपा और एनडीए के सहयोगी दल सवाल उठा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की मौजूदगी में लखनऊ में परिणाम की समीक्षा हुई और नेताओं को अनुशासन के साथ एकजुटता का पाठ पढ़ाया गया था। भाजपा एमएलसी देवेंद्र सिंह का सीएम योगी को लिखा पत्र सामने आया है। सिंह ने पत्र में लिखा है, क्या कारण है जनता सरकार से नाराज हो गई? सरकार की छवि शिक्षक–कर्मचारी विरोधी बन गई है। नौकरशाहों के फैसलों से जनाक्रोश है। कोरोनाकाल में 1,621 शिक्षक काल के गाल में समा गए। अब शिक्षकों को डिजिटल हाजिरी के नाम पर प्रताड़ित किया जा रहा है। यह ठीक नहीं है। सिंह ने आरोप लगाया कि अफसरों ने मोबाइल खरीदी में जमकर भ्रष्टाचार किया है, उसकी जांच होनी चाहिए। देवेंद्र सिंह ने लिखा, नौकरशाहों की साजिश से आपको (सीएम को) बचना होगा। गौरतलब है कि भाजपा विधायक रमेशचंद्र मिश्र, एमएलसी बाबूलाल तिवारी व पूर्व मंत्री मोती सिंह भी ऐसे सवाल उठा चुके हैं।

एनडीए की सहयोगी निषाद पार्टी के अध्यक्ष और राज्य सरकार में मंत्री संजय निषाद ने कहा– कुछ 2–4: अधिकारियों जो अंदर से हाथी, साइकिल, पंजा हैं और ऊपर से कमल हैं, ऐसे लोग जो उन पार्टियों से प्रेरित हैं, उनके वजह से नुकसान हो रहा है। अगर किसी गरीब के घर पर बुलडोजर चला देंगे तब तो वह हमें राजनीति में उजाड़ेंगा ही... बुलडोजर गरीबों पर चलाने का नुकसान है।

साल 2017 का वो दौर जब यूपी में नरेंद्र मोदी के नाम पर सवार बीजेपी की पतवार ने पूरे दम–खम से जीत सुनिश्चित की और 312 सीटें जीती। बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद गाजीपुर से सांसद रहे मनोज सिन्हा का नाम अचानक से सुर्खियों में आ गया और उनकी बायोग्राफी भी मीडिया में तैयार होने लगी साथ ही समीकरण भी पेश किए जाने लगे। मनोज सिन्हा दिल्ली से काशी विश्वनाथ के दर्शन करने पहुंचे और वहीं चार्टेड प्लेन का इंतजार करने लगे। दिल्ली में मौजूद केशव मौर्या के चेहरे की मुस्कान इस वक्त और खिलखिला उठी जब लखनऊ के एयरपोर्ट पर नारे लगे 'पूरा यूपी डोला था, केशव–केशव बोला था'। लेकिन तमाम तैरते नामों के बीच योगी आदित्यनाथ ने 19 मार्च 2017 को यूपी की बागडोर संभाली। 2022 में तो योगी के चेहरे को आगे रखकर चुनाव लड़ा और जीता गया। लेकिन 2017 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान केशव प्रसाद मौर्य अध्यक्ष थे। उनके नेतृत्व में बीजेपी ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। केशव प्रसाद मौर्य भी सीएम की रेस में थे। लेकिन अचानक से सीएम योगी आदित्यनाथ को बना दिया गया। उन्हें डिप्टी सीएम के पद से संतोष करना पड़ा था। बताया जाता है कि वही से दोनों के बीच मनमुटाव शुरू हुआ, जो अब तक जारी है। फिर 2022 में बीजेपी तो जीत गई लेकिन केशव अपनी सीट हार बैठे। उन्हें हारने के बावजूद डेप्युटी सीएम बनाया गया।

धर्म से बड़ी कोई राजनीति नहीं और राजनीति से बड़ा कोई धर्म नहीं। यूं तो ये बात लोहिया ने कही और लोहिया का नाम जपकर समाजवाद के नाम पर सत्ता चलाने वालों को जब यूपी के जनादेश ने मटियामेट कर दिया तो पहली बार किसी धार्मिक स्थल का प्रमुख किसी राज्य का सीएम बना। केंद्र में बीजेपी नेताओं की जिस तरह से स्थिति दिख रही है। यूपी में जिस तरह बीजेपी के संगठन और विधायकों की लामबंदी देखी जा रही है। उससे ये हो सकता है कि योगी को मनाकर केंद्र में कोई मंत्रालय दिया जाए। लेकिन योगी आदित्यनाथ के व्यक्तित्व की बात करें तो वो इतनी आसानी से मानने वालों में नहीं हैं। वो आखिरी दम तक लड़ने में विश्वास रखते हैं और अपनी जिद पर अड़े रहते हैं। गौरतलब है कि ऐसा भी नहीं है कि योगी आदित्यनाथ के सामने ऐसी चुनौतियां पहली दफा सामने आई है। 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भी उनकी मुश्किलें बढ़ी थी। लेकिन नवंबर 2021 में राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के साथ दो ऐसी तस्वीरें शेयर की जो बताने के लिए पर्याप्त थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी तरह उनके साथ खड़े हैं और उनके नेतृत्व को लेकर आलाकमान में कोई संशय नहीं है। इन तस्वीरों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कंधे पर हाथ रखे हुए हैं और उनके साथ कुछ चर्चा करते नजर आ रहे थे। उस वक्त पीएम मोदी और अमित शाह से मिल कर योगी ने मार्गदर्शन लिया और समास्या से पार पा लिया। लेकिन क्या बार–बार ऐसा संभव है?

मुस्लिम महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा

—रोहित माहेश्वरी—

देश की शीर्ष अदालत ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में नई पहल की है। सुप्रीम कोर्ट ने बीती 10 जुलाई को स्पष्ट किया है कि मुस्लिम महिलाएं भी सीपीसी की धारा 125 के तहत भरण–पोषण की हकदार हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने इस सिद्धांत की व्याख्या की कि भरण–पोषण किसी तरह का दान नहीं बल्कि सभी विवाहित महिलाओं का मौलिक अधिकार है। अब चाहे महिला किसी भी धर्म की क्यों न हो। दरअसल, अदालत का फैसला तेलंगाना के मोहम्मद अब्दुल समद की अपील के जवाब में आया है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भी इसी तरह का फैसला दिया था, जिसे शीर्ष अदालत ने बरकरार रखा। अब्दुल समद ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि एक तलाकशुदा महिला केवल मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकार संरक्षण) अधिनियम 1986 के तहत ही भरण–पोषण की मांग कर सकती है। शीर्ष अदालत ने उसकी अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट का मानना था कि धारा 125 देश की सभी महिलाओं पर लागू एक धर्मनिरपेक्ष प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला ऐतिहासिक शाह बानो प्रकरण की याद ताजा करता है। इस मामले में शीर्ष अदालत ने धारा 125 के तहत एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला के भरण–पोषण के अधिकार के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह फैसला 1986 के उस अधिनियम के बावजूद था, जिसमें इस अधिकार को सीमित करने के प्रावधान किये गये थे।

मुस्लिम महिलाओं के भरण–पोषण को फैसले की उपराष्ट्रपति और राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने सराहना की। उन्होंने इस फैसले को बड़ा कदम बताते हुए कहा कि सहायता धर्म से परे न्यायसंगत होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की मुस्लिम महिलाओं ने जमकर प्रशंसा की है। महिलाओं ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से मुस्लिम महिलाओं को मदद मिलेगी और उनकी जिंदगी आसान होगी। वहीं बहुत से पुरुषों ने भी इस फैसले की सराहना की है और कहा है कि अब मुस्लिम महिलाएं अपने पति से भरण–पोषण ले सकती हैं। यह मुस्लिम महिलाओं के हक में नींव का पत्थर साबित होगा। भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन की सदस्य निशात हुसैन ने कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला है। उन्होंने कहा कि हम लोगों के लिए यह बहुत ही अहम फैसला है। हम लंबे वक्त से यह लड़ाई लड़ रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन ने लंबे समय से यह मांग की है, जिसे आज शक्ल मिल गई है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले पर हंगामा होगा जैसे ट्रिपल तलाक के वक्त देखने को मिला था। उन्होंने कहा कि मैं मुस्लिम महिलाओं से कहना चाहूंगी कि यह हमारी बहुत बड़ी जीत है। हम कामयाब हुए हैं और आपको डरने की जरूरत नहीं है।

बहरहाल, अदालत का हालिया फैसला धारा 125 की स्थायी स्वीकार्यता को सिद्ध करता है। यह भारतीय न्यायतंत्र की खूबसूरती ही है कि अधिनियम के विकास और उसके बाद के न्यायिक उदाहरणों ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण–पोषण के अधिकारों का उत्तरोत्तर विस्तार ही किया है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का फैसला महिलाओं को उनके न्यायोचित अधिकार दिलाने तथा संरक्षण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

बहरहाल, अदालत ने इस फैसले के जरिये यह संदेश देने का प्रयास किया है कि जब हम 21वीं सदी में सर्वांगीण विकास व सभ्यता के समृद्ध होने का दावा करते हैं तो महिलाओं के अधिकारों को लेकर भी हमारी सोच प्रगतिशील होनी चाहिए। उनके प्रति संकीर्ण मानसिकता के चलते ही महिलाओं की स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं हो पाया है। अदालत का नवीनतम निर्णय विकास क्रम के अनुरूप यह सुनिश्चित करता है कि देश में किसी भी धर्म की महिला अपने अधिकारों से वंचित न रहे। साथ ही यह भी कि विवाह विच्छेदन के बाद भी महिला को भरण–पोषण के लिये आर्थिक सहायता पाने का अधिकार है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती देने की बात कही है। हाल ही में सर्वोच्च अदालत ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को इद्दत की अवधि के बाद गुजारा भत्ता मांगने की अनुमति दी है। बोर्ड के प्रवक्ता इलियास ने कहा कि पहला प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जुड़ा था। कोर्ट का यह फैसला शरिया कानून से टकराता है। प्रस्ताव में कहा गया है कि इस्लाम में शादी को पवित्र बंधन माना जाता है। इस्लाम तलाक को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को महिलाओं के हित में बताया जा रहा है, लेकिन शादी के नजरिए से यह फैसला महिलाओं के लिए परेशानी का सबब बन जाएगा। अगर तलाक के बाद भी पुरुष को गुजारा भत्ता देना है तो वह तलाक क्यों देगा? और अगर रिश्ते में कड़वाहट आ गई है तो इसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा? हम कानूनी समिति से सलाह–मशविरा करके इस फैसले को वापस लेने के बारे में विचार विमर्श करेंगे।

दादी के साथ सोई बालिका संग अधेड़ ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

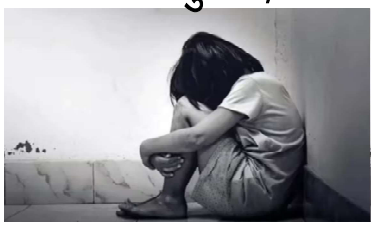

संवाददाता–महराजगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में पड़ोस के एक शख्स दादी के पास सो रही सात वर्षीय बालिका को गोद में अपने घर उठा ले गया। वहां कमरे में जबरन दुष्कर्म करने लगा। इससे बच्ची चिल्लाते हुए रोने लगी। आवाज सुन परिजन मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना देकर पुलिस को बुलाया। दुष्कर्म से लहुलूहान बच्ची को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

घटना शनिवार की रात दस बजे की है। बच्ची अपनी दादी के पास सोई थी। उसके माता–पिता दूसरे कमरे में सोए थे। रात दस बजे बिजली गुल होने के बाद बच्ची के माता–पिता कमरे से बाहर निकले। बच्ची को बिस्तर पर नहीं देख उसकी दादी से पूछताछ की तो उसने बताया कि यहीं पर सो रही थी। इसके बाद परिजन उसे ढूंढना शुरू किए। पड़ोस के एक घर में बच्ची के रोने की आवाज सुन परिजन उस तरफ बढ़े। कमरे में पहुंच कर देखा कि 47 वर्षीय आरोपित बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था। बच्ची जोर–जोर से चिल्ला रही थी। परिजनों को देख आरोपित मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। बच्ची के परिजन उसे लहूलुहान की हालत में अपने घर लाये। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपित को पकड़ कोतवाली ले गयी।अपीड़ित बच्ची को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। जहां पीड़ित बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है। कोतवाली इंस्पेक्टर राहुल शुक्ला ने बताया कि आरोपी धर्मेंद्र यादव के खिलाफ अभियोग दर्ज कर लिया गया है। उसे गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आतिश कुमार सिंह, एएसपी ने कहा कि सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में सात वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आने पर तत्काल कार्रवाई की गई। आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सज गए शिवालय, आज से मंदिरों में गूंजेगा हर–हर महादेव

संवाददाता–देवरिया। श्रावण मास सोमवार से शुरू हो जाएगा। इसे देखते हुए शिवालयों में साफ सफाई कर शिव आराधना की तैयारी कर ली गई है। भोर से ही इन मंदिरों में हर हर महादेव का जयकारा गूंजने लगेगा। इस दौरान भीड़ को देखते हुए शिवालयों में विशेष इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं को मंदिर के गर्भगृह तक सुव्यवस्थित तरीके से दर्शन और जलाभिषेक कराने का खाका तैयार कर लिया गया है। इस बार भीड़ वाले मंदिरों पर भारी पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। शहर के सोमनाथ मंदिर के बाहर बैरिकेटिंग कर भगवा रंग के कपड़े से सजा दिया गया। करीब डेढ़ घंटे के पूजन के बाद सुबह सुबह चार बजे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे। मंदिर में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यहां दक्षिणी प्रवेश द्वार से श्रद्धालु

प्रवेश करेंगे और दर्शन के बाद उत्तरी द्वार से श्रद्धालु बाहर आएंगे। मंदिर पर व्यवस्था में समिति के स्वयंसेवक जुटे रहेंगे। इसी तरह कचहरी शिवालय में भी दर्शन पूजन की व्यवस्था की गई है। रविवार को साफ सफाई कर व्यवस्था दुरुस्त कर ली गई। नई कालोनी स्थित सिद्धेश्वर नाथ मंदिर, पुलिस लाइन मंदिर, हाइडिल कालोनी स्थित शिवालय, श्री रामजानकी मंदिर स्थित शिवालय, मनोकामनापूर्ण हनुमान मंदिर स्थित शिवालय में भी साफ सफाई कर श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन की व्यवस्था कर ली गई है।

शहर के अलावा मझौलीराज स्थित दीर्घेश्वर नाथ मंदिर, रुद्रपुर के दुग्धेश्वर नाथ मंदिर, महेन के महेंद्रानाथ, बढ़या फुलवरिया के फुलेश्वरनाथ मंदिर समेत सभी शिवालयों में सावन की तैयारी पूरी कर ली गई है। यहां स्थानीय पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था की भी परख कर जरुरी उपाय कर लिए हैं।

सावन के अवसर पर मंदिरों व शिवालयों पर सुरक्षा व्यवस्था का सदर सीओ संजय रेड्डी ने जायजा लिया। वह कोतवाल दिलीप सिंह को साथ लेकर सोमनाथ मंदिर पहुंचे। यहां मंदिर के चारों तरफ और अंदर बाहर हर तरफ से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का जायजा लिया। सीओ कचहरी समेत अन्य शिवालयों पर भी गए। पूजन के समय उमड़ने वाली भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए यातायात को लेकर भी अधीनस्थों से विचार विमर्श किया।

कब्र से निकालकर शव को दोबारा होगा पोस्टमार्टम

संवाददाता–गोण्डा। क्षेत्र के हतवा गांव के आनन्द निषाद उर्फ गुठल्ले के शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मंजूरी के लिए पुलिस ने डीएम नेहा शर्मा को पत्र भेजा है। उनकी मंजूरी मिलते ही शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पहली पोस्टमार्टम रिपोर्ट से असंतुष्ट मृतक के परिजनों ने डाक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराने की मांग एसपी से की है।

क्षेत्र के हतवा गांव के आनन्द निषाद श्र गुठल्लेश का शव 12 जुलाई की शाम टेढ़ी नदी में उतराता हुआ मिला था। शनिवार को शव के पोस्टमार्टम से लौटने के बाद परिजनों ने थाना चौराहे पर शव रोककर काफी हो–हल्ला मचाते हुए गुठल्ले को गांव के ही चार भाइयों पर उसे मारकर पानी में डुबो देने का आरोप लगाया था। रविवार को पुलिस ने मृतक की पत्नी गीता की तहरीर पर रमई और उनके चार भाइयों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा भी दर्ज कर लिया गया था। हालांकि, पत्नी ने 11 जुलाई को पुलिस में तहरीर देकर 10 जुलाई की मध्याह्न घर से शिकार करने निकले पति के गायब हो जाने की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गुठल्ले की पानी में डूबकर मौत हो जाने की रिपोर्ट आई थी। परिजनों द्वारा निरन्तर आवेदन देकर दोबार शव के पोस्टमार्टम की मांग के मद्देनजर नवाबगंज पुलिस की रिपोर्ट पर एसपी विनीत जायसवाल द्वारा डीएम को दोबारा पोस्टमार्टम कराने की अनुमति देने के लिए पत्र लिखा गया है।

गिरफ्तारी न होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी

संवाददाता–गोण्डा। अवध केसरी सेना के प्रदेश अध्यक्ष सूरज उपाध्याय के अगुवाई में दर्जनों पदाधिकारी रविवार को मृतक ओम प्रकाश के घर परसपुर ग्राम राजा टोला पहुंचे। पदाधिकारियों ने पत्नी नीलम सिंह व बेटियों से मिलकर ढांढस बंधाया और घटना की पूर्ण जानकारी ली। पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी नेहा शर्मा से मृतक परिवार को सरकारी सहायता दिलाने, घर पर व गवाहों के न्यायालय जाते समय पुलिस सुरक्षा प्रदान करने, मुकदमें में निष्पक्ष ठोस कार्रवाई कराए जाने सहित हत्या आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। कहा है कि वह मृतक परिवार के साथ है। बेटियों की शिक्षा से लेकर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। इतना ही नहीं अवध केसरी सेना के कार्यकर्ताओं ने 25 जुलाई तक हत्यारोपियों की गिरफ्तारी न होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी है।

जिलाध्यक्ष धन्नजय सिंह, सेना प्रमुख नीरज सिंह, महामंत्री नील ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष व अधिवक्ता राघवेंद्र प्रताप सिंह, संरक्षक राम नरेश पाण्डेय, आलोक सिन्हा, संतोष सिंह, अम्बरीष पाण्डेय, प्रवीण सिंह, राजन सिंह, मनीष सिंह व अजीत यादव रहे।

वायरल वीडियो होने पर हटा लिपिक, जांच के लिए बनी कमेटी

संवाददाता–बलरामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र श्रीदत्तगंज में तैनात लिपिक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें लिपिक अपने ही अस्पताल के एक चतुर्थ श्रेणी कर्मी से जीपीएफ निकालने के लिए 20 हजार रुपए की मांग कर रहा है। यह वीडियो काफी पुराना है, जिसकी पुष्टि हिंदुस्तान नहीं करता है। हॉलांकि इस वीडियो का संज्ञान लेते हुए सीएमओ मुकेश कुमार रस्तोगी ने तत्काल प्रभाव से लिपिक को सीएचसी से हटा दिया है। साथ ही उन्होंने पांच सदस्यीय कमेटी बनाकर जांच के आदेश दिए हैं।

रविवार को सीएचसी श्रीदत्तगंज में तैनात लिपिक सौरभ दुबे का एक वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें लिपिक अस्पताल के ही एक स्वीपर का एक लाख 30 हजार रुपए जीपीएफ निकालने के लिए 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहे थे। यह वीडियो जो वायरल हुआ है, उसमें लिपिक जैकेट व मुफलर पहने हुए हैं। जिससे यह प्रतीत होता है कि यह वीडियो पुराना है। यहां यह बताना जरूरी है कि यह लिपिक लम्बे समय से भ्रष्टाचार को लेकर विवादित रहा है, जिसका समय–समय पर वीडिया व ऑडियो वायरल होता रहा है। विभाग के सभी अधिकारी इसे दोषी मान रहे हैं। अपर सीएमओ से लेकर सीएमओ तक का यह कहना है कि यह बाबू भ्रष्टाचार में लिप्त है। इसके खिलाफ कार्रवाई होना जरूरी है। ठोस सबूत न मिल पाने के कारण अभी तक इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही थी। आरोप यह भी है कि यह सीएचसी अधीक्षक से मिलकर भ्रष्टाचार को लम्बे समय से अंजाम दे रहा था।

वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए सीएमओ ने सबसे पहले लिपिक को सीएचसी से हटा दिया है। साथ ही उन्होंने पांच सदस्यी कमेटी बनाई है। सीएमओ ने बताया कि जो भी जांच रिपोर्ट आएगी उस हिसाब से लिपिक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बस चालक व परिचालक को दबंगों ने किया लहूलुहान किया

संवाददाता–गोण्डा। कस्बे के बाईपास रोड पर रविवार को एक निजी बस को रोककर कुछ युवकों ने चालक, कन्डक्टर और हेल्पर की बेरहमी से पिटाई कर दी और मौके से भाग निकले। कन्डक्टर का आरोप है कि मारपीट के बाद बस से उतरते समय बैग गिर गया जिसमें 92 हजार रुपये थे। बस में सवार अन्य यात्रियों ने चालक को सीएचसी पहुंचाया। चिकित्सकों ने बताया कि ड्राइवर के सिर में दो जगह गम्भीर चोट है तथा कन्डक्टर के गर्दन में चोट आई है। हेल्पर आनन्द उर्फ नंदू का भी सिर फट गया है । घटना की सूचना बस मालिक को कन्डक्टर ने दी गई है। बहरहाल घटना के सूचना मिलते ही पुलिस भी सीएचसी पहुंच गई है।

परिचालक विजय पाण्डेय ने बताया की बस रिटायर्ड फौजी डीके सिंह की है, जो बभनान से दिल्ली जाती है। रविवार को सवा तीन बजे के आसपास बस नवाबगंज कस्बे के बाईपास रोड पर स्थित एक पेट्रोल पम्प के पास पहुंची तो चार – पांच अज्ञात युवक बस पर चढ गए और चालक महेश वर्मा और उसपर टूट पड़े। लोहे के राड और डंडे से वार करने के बाद बस से उतर कर भाग निकले। एक दिन पूर्व दो युवकों से बस में हुआ था विवाद रु परिचालक विजय पाण्डेय ने बताया कि शनिवार को दिल्ली से गोंडा आते समय रात में दो युवकों से बस में बैठी एक महिला से छेड़खानी पर विवाद हो गया था। महिला के भाई द्वारा कन्डक्टर से रोते हुए युवकों द्वारा उसके बहन के साथ छेड़छाड़ की शिकायत पर परिचालक ने दोनों युवकों को मथुरा में किराया लौटाते हुए किसी अन्य वाहन से यात्रा करने का आग्रह करते हुए उतार दिया था। आज भी बभनान बस रवाना होने के बाद अलग–अलग मोबाइल नंबर से कुछ युवक उसके लोकेशन की जानकारी ले रहे थे।

गुजरात से भगाई गई किशोरी बरामद

संवाददाता–गोण्डा। गुजरात से भगाई गई एक किशोरी को पुलिस ने रविवार को थानाक्षेत्र के सेमरा शेख पुर गांव के लोनियन पुरवा मजरे से एक आरोपी के घर से बरामद किया है। थाने में लिखा–पढ़ी के बाद किशोरी को लेकर पुलिस गुजरात के लिए रवाना हो गई।

किशोरी के पिता ने बताया कि आरोपी गौतम पुत्र बजरंगी चौहान बीते एक साल से गुजरात में मजदूरी कर रह था और उसके पडोस में कमरा लेकर रहता था। इसी दौरान उसने किशोरी से सम्पर्क बढाते हुए बीते 10 जुलाई को बहला फुसलाकर अपने घर लेकर चला आया था। सर्विलांस के जरिए दोनों का लोकेशन पता चलने के बाद गुजरात पुलिस के सब इंस्पेक्टर अपने दो सिपाही तथा किशोरी के पिता और भाई के साथ नवाबगंज थाने में पहुंच कर हल्के के दो सिपाही के साथ आरोपी के घर पहुंचे तो किशोरी घर पर ही मिल गई। वहीं आरोपी युवक फरार हो गया।

72वीं अंतर्जनपदीय यूपी पुलिस फुटबाल प्रतियोगिता का आगाज

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस लाइन में रविवार को 72वीं अंतर्जनपदीय उत्तर प्रदेश पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज हुआ। प्रतियोगिता चार दिवसीय होगी और निर्णायक मुकाबले के साथ 24 जुलाई को समापन होगा। श्रावस्ती की मेजबानी में गोरखपुर जोन की 10 जनपद की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश देवेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, एसीजेएम विश्वजीत सिंह व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के साथ ही पौधरोपण कर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। न्यायाधीश ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं बल्कि टीम भावना और अनुशासन को भी प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस प्रतियोगिता का आयोजन जनपद श्रावस्ती के लिए बड़े गौरव की बात है। इससे पुलिस विभाग के कर्मचारियों के साथ श्रावस्ती के युवाओं की खेल में रूचि बढ़ेगी। जिससे श्रावस्ती का नाम रोशन होगा। एसपी ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि खेलकूद हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक विकास और अनुशासन की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। प्रतियोगिता में गोरखपुर जोन के जनपदों की पुरूष वर्ग की 10 टीम व महिला वर्ग की सात टीम प्रतिभाग कर रही हैं। जिसमें बस्ती, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, गोण्डा, गोरखपुर, श्रावस्ती, महराजगंज, संतकबीर नगर, देवरिया व बहराइच की टीमें शामिल हैं। महिला वर्ग से पहले मैच का आरंभ हुआ जो श्रावस्ती व बहराइच के बीच खेला गया। जिसमें श्रावस्ती की टीम ने एक–शून्य से जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला गोण्डा और कुशीनगर के बीच हुआ जिसमें गोण्डा टीम चार–शून्य से विजयी रही है। तीसरा मुकाबला बहराइच व महराजगंज के बीच हुआ जिससे बहराइच ने पांच–शून्य से जीत दर्ज की।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित किया गया कार्यक्रम

संवाददाता–श्रावस्ती। आषाढ़ी पूर्णिमा पर अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान की ओर से श्रावस्ती में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर विधायक ने नमो बुद्धाय पुस्तक का विमोचन किया। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) की ओर से चौधरी राम बिहारी बुद्ध इंटर कालेज श्रावस्ती में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। रविवार को एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि, दीप प्रज्वलन तथा बुद्ध वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर अवधेश कुमार चौबे अगरतला त्रिपुरा ने अपने विचार रखे स इसके साथ ही कार्यक्रम में अखण्ड धम्मपद संगायन, चित्रकला प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता विभिन्न विद्यालयों के मध्य कराया गया। इसके साथ ही ओम प्रकाश की ओर से लिखित पुस्तक नमो बुद्धाय का विमोचन मुख्य अतिथि विधायक राम फेरन पांडेय ने किया। इस अवसर पर संस्थान के सदस्य तरुणेश, भंते आर्य वंश, भंते देवानंद, सहायक निदेशक राजेश कुमार अहिरवार, उप जिला मजिस्ट्रेट, क्षेत्राधिकारी, अरुणेश मिश्र, अजय मौर्या, अनुज कुमार सिंह, अमरेंद्र त्रिपाठी, शिव कुमार पाठक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ के शिक्षक–शिक्षकाएं एवं छात्र–छात्राएं, अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ के छात्र–छात्राएं,चौधरी राम बिहारी बौद्ध इण्टर कालेज के छात्र मौजूद रहे।

सपा नेता हत्याकांडः एक आरोपी गिरफ्तार, चार अब भी फरार

संवाददाता–गोण्डा। नगर के राजाटोला गांव में शुक्रवार को धारदार हथियार से घर पर लेटे सपा नेता ओमप्रकाश सिंह की हुई हत्या के प्रकरण में घटना के तीन दिन बीतने के बाद भी पुलिस पांच हत्या आरोपियों में से सिर्फ एक को ही गिरफ्तार कर सकी है। चार आरोपी अभी पुलिस के पकड़ से कोसों दूर हैं। पुलिस ने रविवार को आरोपी चंदन सिंह को कोर्ट में पेश किया जहां उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं पत्नी नीलम सिंह सहित परिवारजनों ने स्थानीय पुलिस पर हत्यारोपियों के साथ मिली भगत का आरोप लगाया है।

पत्नी नीलम सिंह ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसके पति से गांव के उदय भान उर्फ लल्लन सिंह से चुनावी रंजिश थी। जिसके चलते उदय भान ने उसके पति और परिवार वालों को जान से मारने की धमकी दी थी। घटना दिवस उदयभान सिंह, धर्मवीर उर्फ चंदन सिंह, बलवीर उर्फ नंदन सिंह, सूरज सिंह व अज्ञात एक व्यक्ति हाथ में बांका–गड़ासा व घातक हथियार लेकर उसके घर चढ़ आए और बरामदे में लेटे पति को ललकारते हुए जान से मारने की नियत से हमला कर मरणासन्न कर दिया। शोर पर जब वह और उनकी दो पुत्रियां बचाव के लिए दौड़ी तो हमलावर अपशब्द कहते हुए भाग निकले। रविवार को पुलिस ने धर्मवीर उर्फ चंदन सिंह की गिरफ्तारी की है। सपा नेता, परिजन व समाजसेवी संगठन पुलिस की कार्रवाई पर उंगली उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि राजनैतिक संरक्षण के चलते आरोपियों की गिरफ्तारी से पुलिस किनारा काट रही है। नगर के राजा टोला गांव में शुक्रवार को धारदार हथियार से लैस हमलावरों ने चारपाई पर लेटे सपा नेता ओमप्रकाश सिंह पर ताबड़तोड़ कई वार किए थे । पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गर्दन, चेहरे, सिर–पैर सहित उसके शरीर पर पंद्रह गहरे जख्म मिले हैं। अत्यधिक रक्तस्राव होने से उसकी मौत की पुष्टि हुई है।

माल ढोने वाले ई रिक्शा की चपेट में आने से मासूम की मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के प्रतापपुर मैरवा मुख्य मार्ग पर बासोपट्टी गांव के सामने माल ढोने वाले ई–रिक्शा ने एक मासूम को रौंद दिया, जिससे मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलवस्था में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना रविवार की दोपहर बासोपट्टी गांव के सामने हुई।

श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बासोपट्टी के विशुनपुरा टोला निवासी अरविंद यादव का गांव में सड़क के किनारे मकान है। रविवार की दोपहर अरविंद यादव का छोटा बेटा अंकुश कुमार (4) सड़क पार कर रहा था। उसी दौरान तेज रफ्तार में मैरवा की तरफ जा रहे माल ढोने वाले ई रिक्शा ने उसे रौंद दिया। ई–रिक्शा पर बाइक लदी हुई थी। घटना के बाद ई रिक्शा का चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। ग्रामीण और परिजन घायल अवस्था में मासूम को इलाज हेतु मैरवा निजी अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

माल ढोने वाला ई रिक्शा पुलिस कस्टडी में है। थानाध्यक्ष श्रीरामपुर कल्याण सिंह सागर ने बताया कि बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। माल ढोने वाला ई रिक्शा कस्टडी में है। तहरीर मिलते ही विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तालाब में डूबने से किशोर व किशोरी समेत तीन की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। रविवार को अलग–अलग स्थानों पर तालाबों में डूबने से एक किशोरी सहित तीन ने दम तोड़ दिया। इनमें एक किसान की मौत खेत में पैर फिसल जाने से हुई। किशोरी की मौत भी तालाब में पैर फिसल जाने हुई। एक अन्य घटना में किशोर की भी जान तालाब में डूब जाने से चली गई। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के गढ़ी निवासी सत्येन्द्र प्रताप सिंह उर्फ कल्लू वर्मा (30) पुत्र सुरेन्द्र प्रताप गांव के पश्चिम अपने खेत मे धान की रोपाई करवा रहा था। सिर पर धान की नर्सरी रख कर खेत में जा रहा था। तभी खेत के बगल तालाब में पैर फिसल गया और डूबने लगा। एक बच्चे ने दौड़ कर घटना की जानकारी खेत में काम कर रहे परिजनों को दी। परिजनों ने तालाब में खोजबीन कर बाहर निकाला और इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए। जहां पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना इकौना के ग्राम चिचड़ी निवासी केशवराम यादव 45 वर्ष पुत्र मंगल प्रसाद यादव रविवार सुबह अपने भांजे की साइकिल लेकर घूमने के लिए भामेपारा गांव की ओर गया था। काफी देर तक वापस न लौटने पर उसका लड़का बीरबल यादव तलाश करते हुए तालाब की ओर गया तो वहां साइकिल और चप्पल पड़ी देखी। इस पर तालाब में डूबने की आशंका हुई तो थाना इकौना के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और एनडीआरएफ की टीम को बुलावाया। काफी खोजबीन के बाद केशवराम का शव तालाब से बरामद किया गया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी तरह से गिलौला थाने के गोड़ारी ग्राम पंचायत के सौटन पुरवा निवासी लुसई उर्फ मोहम्मद इलियास की 12 वर्षीय पुत्री आइसा रविवार दोपहर में घर के बगल में स्थित तालाब के किनारे शौच के लिए गई थी। पैर फिसल जाने से वह गहरे पानी में चली गई। जिसमें डूब कर मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पहुंची गिलौला पुलिस ने तालाब से शव को बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया।

सूबेदार को सैनिक सम्मान के साथ पुत्र ने दी मुखाग्नि

संवाददाता–देवरिया। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सीआरपीएफ में तैनात सूबेदार श्याम नारायण मिश्र का शव रविवार की सुबह उनके पैतृक गांव नरियांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। घर पर पत्नी और बच्चों की चित्कार से लोगों की आंखें नम हो गई। भागलपुर कालीचरण घाट पर सरयू किनारे गार्ड आफ आनर के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई। पुत्र ने जब मुखाग्नि दी तो सबकी आंखें नम हो गई। मईल थाना क्षेत्र के नरियांव गांव निवासी श्याम नारायण मिश्र के बेटे मनीष और बेटी ज्योति की अभी शादी नहीं हुई है। सूबेदार की पत्नी मंजू देवी बच्चों की पढ़ाई के लिए बच्चों के साथ गोरखपुर में रहती हैं। हो गया था। उनके पार्थिव शरीर को हवाई मार्ग से वाराणसी लाया गया। यहां से असिस्टेंट कमान्डर अभिषेक सिंह के साथ सीआरपीएफ के 20 जवान रविवार की सुबह उनका पार्थिव शरीर नरियांव लेकर पहुंचे तो घर में कोहराम मच गया। पत्नी मंजू देवी की चित्कार से पुरा माहौल गमगीन हो गया। इसके बाद भागलपुर के कालीचरण घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई। पार्थिव शरीर के साथ आये सीआरपीएफ के जवानों ने गार्ड आफ आनर देकर सलामी दी। उनके पुत्र मनीष मिश्रा ने मुखाग्नि दी तो मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। इस दौरान तहसीलदार बरहज अरूण कुमार यादव, नायब तहसीलदार रविन्द्र मौर्य, थानाध्यक्ष मईल अमित राय, एस आई अजय तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। श्यामनारायण मिश्र के बेटे मनीष और बेटी ज्योति की अभी शादी नहीं हुई है। सूबेदार की पत्नी मंजू देवी बच्चों की पढ़ाई के लिए बच्चों के साथ गोरखपुर में रहती हैं।

पुण्यतिथि पर पूर्व सांसद मसूरिया को कांग्रेसियों ने किया याद

संवाददाता–गोण्डा। स्वतन्त्रता सेनानी, संविधान सभा के सदस्य व चार बार के सांसद रहे मसूरिया दीन पासी की पुण्यतिथि पर उन्हें रविवार को कांग्रेसियों ने याद किया। इस मौके पर कांग्रेस भवन में बैठक आयोजित की और पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्र ने बताया कि जल्द ही राजीव गांधी पौधरोपण कार्यक्रम में ब्लाक व बूथ स्तर अभियान किए जाएंगे। जल्द सदस्यता लेने वाले रालोद के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी वाजिद अली के अलावा गुड्डू नेता, मो सैफ, सईद, अकील अहमद, हसन अली को पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर सगीर खान, विनय प्रकाश त्रिपाठी, चांद खान, सभासद शाहिद अली कुरैशी सभासद ,अरविंद शुक्ला, अविनाश मिश्रा, हाजी अब्दुल सईद, सलीम कुरैशी, अबसार अहमद, मो सलीम, फूल मोहम्मद, अनिल दूबे, राम श्रृंगार भारती विनोद, मो तैय्यब, नवी बक्स, जानकी देवी रहीं।

गुरु पूर्णिमा पर श्री राम नगरी में शिष्यों ने किए अपने गुरु के पूजन छलका प्रेम का अनुराग

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। गुरु पूर्णिमा पर अयोध्या में आस्था का ज्वार उमड़ पड़ा। जो मानस में वर्णित इन चौपाइयों ष्बंदऊं गुरु पद पदुम परागा, सुरुचि सुबाष सरस अनुरागा। गुरु बिनु भवनिधि तरै न कोई, जो बिरंचि शंकर सम होई।। को साक्षात बयां कर रही थी। रविवार को रामनगरी में गुरु, शिष्य का अपार स्नेह देखने को मिला। मौका था गुरू पूर्णिमा महोत्सव का, जिससे अयोध्या नगरी भक्तों के आस्था से सराबोर दिखाई दे रही है। कनक भवन परिसर में स्थित श्री लाल साहब दरबार में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सरकार की विशेष आरती की गई और मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामनरेश शरण महाराज ने अपने गुरु श्री महाराज जानकी शरण महाराज सहित पूर्वाचार्य महंतों का अभिषेक पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया उसके बाद मंदिर में आए सभी भक्तों ने गुरुदेव भगवान का पूजन कर आशीर्वाद लिया।वही रामकोट मोहल्ले में स्थित श्री राम आश्रम के पीठाधीश्वर महंत जयराम दास जी महाराज अपने गुरुदेव स्वामी प्रभुदास शास्त्री व पूर्वाचार्य महंत बालमकुंद दास शास्त्री जी महाराज का पंचामृत से अभिषेक करा कर के पूजन अर्चन किए। आश्रम में पधारे हजारों भक्तों ने उसके बाद गुरुदेव भगवान का पूजा दर्शन किए।आचार्य कृष्ण चंद्र ठाकुर ने सभी शिष्यों को गुरुदेव भगवान का पूजन कराया।

अयोध्या के सिद्ध पीठ श्याम सदन में पीठाधीश्वर 108 बाल योगी महंत श्रीधर दास महाराज ने अपने गुरुदेव भगवान श्री संत गोपाल दास महाराज की प्रतिमा के पंचामृत से अभिषेक कर पूजन अर्चन किया और उसके बाद हजारों शिष्यों ने गुरु पूजन का आशीर्वाद प्राप्त किया। वही करुणा निधान भवन में के पीठाधीश्वर महंत रामजी दास महाराज ने मंदिर में पूर्वाचार्य महंतों का पूजन अर्चन किया उसके बाद मंदिर के अधिकारी रामनारायेण दास महाराज ने गुरुदेव भगवान का पूजन किया और उसके बाद सभी शिष्यों ने श्री महाराज जी का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन भवन मंदिर की पीठाधीश्वर महंत डॉ ममता शास्त्री ने गुरुदेव भगवान पूर्व सांसद मंदिर के पूर्वाचार्य महंत विश्वनाथ दास शास्त्री सहित सभी पूर्वाचार्यों के चरण पादुका का मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक पूजन अर्चन किया और चरण पादुका पूजन के उपरांत गुरुदेव भगवान विश्वनाथ दास शास्त्री महाराज की प्रतिमा पर अभिषेक पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया उसके बाद मंदिर में उपस्थित सभी शिष्यों ने गुरुदेव भगवान का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रीरामहर्षण आदि मैथिल सख्यपीठ में गुरू पूर्णिमा महोत्सव का उल्लास छाया रहा। आश्रम से जुड़े भक्तगण अपने गुरूदेव का पूजन–अर्चन कर रहे थे। पीठ के उत्तराधिकारी महंत कमलेश्वर दास ने अपने गुरूदेव व पीठ संस्थापक आचार्य अवधकिशोर दास महाराज का पूजन किया। उसके बाद उन्हें अंगवस्त्र, मिष्ठान व उपहार दिया। श्रीरामकृष्ण मंदिर, रामकोट में महंत गणेशानंद दास के संयोजन में गुरू पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। सर्वप्रथम उन्होंने व शीतल रामायणी ने पीठ के पूर्वाचार्य महंत रामवचन दास महाराज का पूजन–अर्चन कर नमन किया।इसी तरह चित्रकुटी मंदिर, प्रमोदवन में महंत उत्तम दास गुरु पूजन कर शिष्यों को आशीर्वाद दया।जानकीघाट बड़ास्थान, बड़ाभक्तमाल, बड़े हनुमान, रंगमहल, लवकुश मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, रंगवाटिका, कोशलेश सदन, द्वारकाधीश मंदिर, अशर्फी भवन, सद्गुरु सदन, लक्ष्मणकिला, रामसखी मंदिर, हनुमत निवास, हनुमत सदन, बावन मंदिर, दिव्यकला कुंज, सीताराम निवास, सुग्रीवकिला, डाड़िया मंदिर, तुलसीदास छावनी, नई छावनी, बड़ी छावनी, विद्याकु

लोक और राष्ट्र कल्याण से जुड़ी है भारत की ऋषि परंपरा -मुख्यमंत्री

संवाददाता–गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सनातन ऋषि परंपरा व गुरु परंपरा लोक और राष्ट्र कल्याण की परंपरा है। यह परंपरा हमें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि हमारे जीवन का एक–एक कर्म, एक–एक क्षण सनातन के लिए, समाज के लिए, राष्ट्र के लिए समर्पित होना चाहिए। ऐसा करके ही हम गुरु परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर सकते हैं। गोरक्षपीठ भी उसी गुरु परंपरा की पीठ है जो दिन–रात लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

सीएम योगी रविवार को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में विगत 15 जुलाई से चल रही श्रीरामकथा के विश्राम सत्र और गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ के चित्र पर पुष्पार्चन करने तथा व्यासपीठ का पूजन करने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन संस्कृति में ऋषि के साथ गोत्र की परंपरा भी साथ में चलती है। जब गोत्र की बात होती है तो जाति भेद समाप्त हो जाता है। हर गोत्र किसी न किसी ऋषि से जुड़ी है और ऋषि परंपरा जाति, छुआछूत या अश्पृश्यता का भेदभाव नहीं रखती है। एक ऋषि के गोत्र को कई जातियों के लोग अनुसरित करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति दुनिया में सर्वाधिक और समृद्ध और प्राचीन है और सनातन पर्व–त्योहार इसके उदाहरण हैं। ये पर्व–त्योहार भारत को और सनातन धर्मावलंबियों को इतिहास की किसी न किसी कड़ी से जोड़ते हैं। सीएम योगी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। यह महर्षि कृष्ण द्वैपायन व्यास की जयंती है जिनकी कृपा से वैदिक साहित्य प्राप्त हुए हैं। जिन्होंने वेदों, पुराणों और अनेक महत्वपूर्ण शास्त्रों को उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि 5000 वर्ष पहले महर्षि व्यास इस ध्राधाम पर थे। उस कालखंड में उन्होंने कई पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व किया। अनेक ग्रंथों की रचना कर उसे वर्तमान पीढ़ी के मार्गदर्शन के लिए भी अनुकूल बना दिया। भारत के अलावा 5000 वर्ष का इतिहास दुनिया में किसी के पास नहीं है। वर्तमान समय द्वापर और कलयुग का संधिकाल है। महाभारत के युद्ध के बाद महर्षि वेदव्यास ने श्रीमदभागवत पुराण रचा जो मुक्ति और मोक्ष के मार्ग पर चलने को प्रेरित करने वाला पवित्र ग्रंथ है।

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माता–पिता पहले गुरु हैं। इसके बाद स्कूली शिक्षक, पुरोहित–कुलगुरु, बड़ा भाई, और ऋषि–संतों की परंपरा, गोत्रों की परंपरा भी गुरु परंपरा में सम्मिलित होती है। गुरु परंपरा का उद्देश्य मनुष्य को अच्छे मार्ग पर अग्रसर करना है। माता–पिता, बड़ा भाई, पुरोहित–कुलगुरु, संत, ऋषि इसी उद्देश्यपरक कार्य के हितैषी होते हैं।

उन्होंने कहा कि हम जैसा कार्य करेंगे, परिणाम भी उसी के अनुरूप मिलेगा। अच्छा कार्य करेंगे तो अच्छा फल मिलेगा और गलत काम करेंगे तो उसका फल भी हमें ही भुगतना होगा। इस संबंध में उन्होंने महर्षि वाल्मीकि के संत बनने से पूर्व के जीवन की कथा भी सुनाई और संदेश दिया कि कोई भी गलत काम में हासिल होने वाले पाप में भागीदारी नहीं बनना चाहता है। सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीराम ने जीवन में मर्यादा को महत्व दिया। हर कार्य की लक्ष्मण रेखा तय की, संबंधों को मर्यादित तरीके से जीना सिखाया। इसी तरह भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म की प्रेरणा दी। आज अधिकतर लोग कम कम के बदले अधिक हाईलाइट होने के प्रयास में रहते हैं। जबकि भगवान श्रीकृष्ण ने निष्काम कर्म की प्रेरणा दी है। यानी कर्म करो, फल की चिंता मत करो। हमारे शास्त्र और गुरु परंपरा में भी कहा गया है– अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म शुभाशुभम्। अर्थात जैसा कर्म करेंगे, उसके अनुरूप फल से वंचित नहीं रहेंगे। जो करेंगे, उसके अनुरूप परिणाम अवश्य भोगना पड़ेगा।

सीएम योगी ने कहा कि सच्चा गुरु वही है जो सही मार्ग पर चलने को प्रेरित करे। हमारे जीवन में महत्व धन–धान्य का नहीं है बल्कि सद पुरुषार्थ से हासिल उस समृद्धि से है जो लोक कल्याण के कार्य आ सके। यदि हम गलत तरीके से समृद्धि अर्जित करेंगे तो पाप कृत्य के भागी होंगे। जबकि यदि हम वंचितों पर उपकार करेंगे, जीवमात्र के प्रति दया का भाव रखेंगे तो उसका पुण्य लाभ अवश्य प्राप्त होगा। गुरु का कार्य सही और गलत में अंतर बताकर सही मार्ग दिखाने का होता है।

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में 15 जुलाई से चल रही श्रीरामकथा का विश्राम व्यासपीठ पर विराजमान श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की आरती के साथ हुई। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरती उतारी। इस अवसर पर उन्होंने कथाव्यास बाबा बालकदास के प्रति आभार भी व्यक्त किया और कहा कि हर व्यक्ति को कुछ समय ऐसी कथाओं के श्रवण के लिए जरूर निकालना चाहिए। कार्यक्रम में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत मिथिलेशनाथ, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, श्रीरामजानकी हनुमान मंदिर के महंत रामदास समेत कई जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, प्रबुद्धजन व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।

गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी ने किया रूद्राभिषेक

संवाददाता–गोरखपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्य्यनाथ ने शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजन का भी पूजन–अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की और लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही गुरु पूर्णिमा पर गुरुजन को समर्पित रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल की प्रार्थना की। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान तड़के ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है। रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गोरखनाथ, मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव–विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया। उसके बाद वह बारी–बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद अर्पित किया। पूजा–अर्चना की आनुष्ठानिक प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत सामूहिक महाआरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धा और आस्था का उल्लास देखते ही बनता है। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ द्वारा विशेष अनुष्ठान पूर्ण किए जाने के साथ गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ समेत सभी नाथ योगियों ने भी गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ को नाथपंथ की परंपरा के अनुसार उन्हें तिलक लगाया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु पूर्णिमा के पवित्र पर्व पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की शक्तिपीठ में भगवान भोलेनाथ का विधिविधान से रुद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक पूर्ण होने पर उन्होंने देवाधिदेव महादेव शिव शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन की कामना की। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह मंदिर की गोशाला भी गए। यहां उन्होंने गोवंश को उनके नाम से पुकारा और उनके पास आने पर खूब दुलारा। अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। योगी का दुलार पाकर गोवंश भाव विह्वल नजर आए।

सपा प्रत्याशी का नहीं किया समर्थन, विधायक ने दर्ज करवा दिया बेटे और पति पर फर्जी मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्व सीएम वीर बहादुर सिंह के बेटे, पूर्व मंत्री एवं कैंपियरगंज से भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह की ओर से खुद की जान को खतरा बताने के मामले में अब सियासत गरमा गई है। कैंपियरगंज विधानसभा क्षेत्र में विधायक के खिलाफ कुर्मी बिरादरी एकजुट होने लगी है। रविवार को राजीव रंजन चौधरी की मां और भाजपा से जिला पंचायत सदस्य सरोज देवी समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सकती हैं। वहीं, भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह भी मुख्यमंत्री से मिलने की तैयारी में हैं। पीपीगंज वार्ड नंबर 15 से भाजपा की जिला पंचायत सदस्य सरोज देवी ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस करके कैंपियरगंज से भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह पर लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी का समर्थन करने पर पति व बेटे को फंसाने का आरोप लगाया है। कहा कि सीएम से मिलकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करेंगे।

जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि चुनाव में समर्थन नहीं करने से विधायक बहुत अधिक नाराज हो गए थे। इसके चलते मेरे बेटे राजीव रंजन चौधरी पर फर्जी केस में फंसा दिया। जिसकी प्रताड़ना से मेरा बेटा भागता फिर रहा है। विधायक की पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। उनके द्वारा मेरे क्षेत्र राजनैतिक द्वेष वश कोई भी विकास कार्य नहीं होने दिया जा रहा है। विधायक द्वारा मुझे और मेरे परिवार को नेस्तनाबूद करने की धमकी दी जा रही है। साथ ही कई तरह के मनगढ़त आरोप लगाए गए हैं। ताकि हमें और प्रताड़ित किया जा सके। कैंपियरगंज के भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था बेहतर है।लेकिन कुछ पुलिस वाले अपराधियों को शह देकर छवि खराब कर रहे हैं। मैंने सुरक्षा का मामला उठाकर सारी वस्तुस्थिति से पहले ही अवगत करा दिया है।

पुलिस अब दो–तीन दिनों में लीपापोती करने में लगी है। मैंने पहले ही कहा है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। ताकि इसमें कौन–कौन लोग शामिल हैं इसका खुलासा हो सके। जिला पंचायत सदस्य का आरोप पूरी तरह से गलत है। वह अपने बेटे को बचाने में इस तरह का बयान दे रही हैं। पूरे प्रकरण से मुख्यमंत्री को अवगत कराउंगा। पीपीगंज थाने के हिस्ट्रीशीटर राजीव रंजन चौधरी पर कैंपियरगंज विधायक फतेह बहादुर सिंह ने हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। विधायक का आरोप है कि राजीव पर 22 केस दर्ज हैं। लेकिन पुलिस की जांच में राजीव रंजन के ऊपर थानों में केवल पांच केस दर्ज मिले हैं।

यह पांचों केस गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर के थानों में दर्ज है। आरोपों की जांच करके पुलिस रिपोर्ट 14 दिन में तैयार कर प्रस्तुत कर सकती है। वहीं, लोकसभा चुनाव में गमछे को लेकर सपा और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट हुई थी। इसमें राजीव रंजन को भी आरोपी बनाया गया था। पीपीगंज पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। सूत्रों की माने तो पुलिस की जांच में अभी तक मारपीट के समय राजीव की मौजूदगी नहीं पाई गई है। विधायक द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद इस मामले की जांच भी तेज कर दी गई है। इसकी मॉनिटरिंग एसपी और सीओ भी कर रहे हैं।

नहर के बगल गड्ढे में डूबने से मासूम की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र के भेलवासी गांव में एक मासूम की गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। वह नहर के पास टहलने गया था। तभी पैर फिसलने से नहर के बगल बने गड्ढे में गिर कर डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। भेलवासी गांव निवासी गोरे लाल (6) पुत्र राम किशुन गांव के बाहर सिवान में घूमने चला गया था। तभी पैर फिसल जाने से नहर के बगल गड्ढे में गिर गया। थोड़ी दूर मौजूद कुछ लोग शोर मचाते हुए भागते हुए मौके पर पहुंचे। तब तक मासूम डूब गया था। गड्ढे में तलाश कर जब तक उसे बाहर निकालते उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी किसी व्यक्ति ने परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर रोते चिल्लाते मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी गांव के लोगों को हुई तो सब पीड़ित परिजन के यहां पहुंच सांत्वना देने लगे। गोरेलाल तीन भाई और एक बहन था। बड़ा भाई सत्यजीत (12) दूसरे नंबर का भाई गोलू (10) बहन शिवानी (8) सबसे छोटा गोरे लाल ही था। छोटे बेटे की मौत की खबर सुनने के बाद माँ का रो रो कर बुरा हाल हो गया।

सर्पदंश से वृद्ध महिला की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भवानीगंज थाना क्षेत्र के धनखरपुर गांव में शनिवार की रात घर पर काम कर रही एक वृद्ध महिला को सांप ने डस लिया। परिजन उन्हें गोरखपुर ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। धनखरपुर गांव निवासी रुबरुनिशा पत्नी हाज हुसैन शनिवार की रात आठ बजे अपने घर में कुछ काम कर रही थी। इसी दौरान एक सांप ने उसे डस लिया। मामले की जानकारी होने पर परिजन उन्हें सीएचसी बेंवा ले गए। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया। वहीं बस्ती से डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर गोरखपुर जा ही रहे थे कि रास्ते में मौत हो गई।

अयोध्या में चारपहिया वाहनों का आना प्रतिबंधित

संवाददाता–अयोध्या। भगवान शिव के सबसे प्रिय महीने सावन की शुरुआत सोमवार से हो रही है और समापन भी सोमवार को ही हो रहा है। सावन के पहले सोमवार पर रामनगरी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखेगी और चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। अयोध्या में रविवार से ही कांवड़ियों व शिवभक्तों के आने का क्रम शुरू हो गया है। बोल बम व हर हर बम बम के जयकारे गूंजने लगे हैं। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व भीड़ नियंत्रण को लेकर पुख्ता इंतजाम किए हैं। अयोध्या धाम में चार पहिया वाहनों का प्रवेश रविवार आधी रात से ही रोक दिया गया। यह डायवर्जन भीड़ रहने तक लागू रहेगा। साकेत पेट्रोल पंप, हनुमान गूफा के आसपास अस्थायी पार्किंग बनाई गई है, यहां यातायात कर्मियों की तैनाती कर दी गई है। वहीं, सरयू स्नान घाट, नागेश्वरनाथ, हनुमानगढ़ी समेत प्रमुख मठ–मंदिरों व शिवालयों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वहां आरएएफ, पीएसी व सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की गई है। राम की पैड़ी स्थित नागेश्वरनाथ मंदिर पर चार स्तरीय बैरिकेडिंग की गई है। श्रद्धालुओं का जत्था बना एक–एक कर उन्हें मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा। स्नान घाट पर बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोका जाएगा। मेला सुरक्षा अधिकारी व एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि मेला क्षेत्र को छह जोन व 22 सेक्टर में बांटकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

राप्ती नदी में उतराता मिला युवक का शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाना क्षेत्र के बंजरहा बुजुर्ग गांव के पास रविवार को राप्ती नदी के किनारे युवक का उतराता शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की पहचान मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के नगपरा गांव निवासी मनोज राजभर (22) पुत्र राजेंद्र के रूप में हुई। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के नगपरा गांव निवासी मनोज शुक्रवार को बांसी के राप्ती नदी पर बने पुल पर मोबाइल, जूता और टोपी रखकर नदी में छलांग लगा दी। जानकारी होते ही बांसी पुलिस स्थानीय गोताखोरों के सहयोग से युवक की तलाश शुरू कर दी पर पता नहीं चल सका था। रविवार सुबह क्षेत्र के बंजरहा बुजुर्ग गांव के कुछ लोग राप्ती नदी के बांध की तरफ टहल रहे थे। अचानक किसी की नजर नदी के किनारे उतराते हुए शव पर पड़ी। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई तो उसकी पहचान मनोज के रूप में हुई। सूचना पर सीओ सतीश चंद्र पांडेय, कोतवाली प्रभारी बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। खेसरहा थाना प्रभारी रविंद्र सिंह ने बताया कि मौके पर मृतक के परिवार के लोग आ गए थे। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ब्याज के रुपये न देने पर मनबढ़ों ने युवक और मददगार को पीटा

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के बेदौली गांव में मूलधन से ज्यादा ब्याज चुकाने के बाद भी कर्ज देने वाले ने पहले तो पीड़िता के घर चढ़कर गाली दी, फिर पीड़िता के लड़के को बुरी तरह मारपीट का घायल कर दिया, वहीं घायल की मदद करने आये गॉव के एक व्यक्ति को भी मनबढों ने पीटा, महिला किसी तरह जान बचाकर हरपुर बुदहट थाने आयी और आरोपियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया, पुलिस ने मनबढों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बैदौली गाव निवासिनी रंजीता देवी ने पत्नी रामसकल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने एक वर्ष पहले गांव के रामचन्द्र यादव पुत्र राजबहादुर से 28 हजार रुपये ब्याज पर लिया था, अब तक 50 हजार दे चुकी हूं, लेकिन कर्ज देने वाला और 1 लाख मांग रहा है, जब पीड़िता रंजीता ने उससे 15 दिन का और समय मांगा तो आरोपी ने उसके घर पर चढ़कर गाली दी और फिर शनिवार की रात 9 बजे रंजीता का लड़का पवन गोंड़ जो टहल कर घर आ रहा था उसे अपने घर के सामने पकड़ कर आरोपी रामचन्द्र यादव ने अपने परिवार के साथ मिलकर बुरी तरह लाठी डंडो से पीटा, जिससे पवन गोंड़ बेहोश हो गया, वहीं गांव का एक और व्यक्ति सूरज सिंह जो टहल कर आ रहा था उसने पवन को बचाने की कोशिश की तो मनबढों ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया, फोन पर सूचना पर जब हम लोग अन्य लोगों को लेकर पहुंचे तो मेरे लड़के की जान बच सकी। थानाध्यक्ष विशाल सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपी रामचन्द्र यादव और उसकी पत्नी सहित उसके दो लड़के और दो लड़कियों निवासीगण बेदौली थाना हरपुर बुदहट पर बीएनएस कि धारा 126 (2), 191 (2), 115 (2), 352,110 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

कोचरी उपकेन्द्र में शुरू हुआ नया फीडर

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा तहसील क्षेत्र के हैसर में स्थित कोचरी उपकेन्द्र में चौथा नया फीडर शुरू हो गया है। इससे 22 गांवों को विद्युत आपूर्ति की जा रही है। इसके शुरू हो जाने से ट्रिपिंग व लो वोल्टेज की समस्या का निदान हो गया है।

पिछले कई वर्षों से कोचरी उपकेंद्र के बड़गो फीडर के बिजली उपभोक्ता गर्मी व बरसात के दिनों में बिजली के लिए तरस जाते हैं। बार–बार लाइट ट्रिपिंग या कहीं भी तार टूट कर गिर जाने से घण्टों बिजली बाधित हो जाती थी। जिसका एक मात्र कारण फीडर पर ओवरलोडिंग। उपकेंद्र पर अब तक सिर्फ तीन फीडर है थे। जिससे लगभग 150 गांवों की बिजली सप्लाई होती थी, लेकिन सबसे लम्बे फीडर बड़गो में करीब 90 गांव की बिजली सप्लाई होती थी। जबकि अन्य दो फीडरों से 60 गांवों की बिजली सप्लाई होती थी। पिछले वर्ष उपकेंद्र पर तैनात जेई भानु प्रताप चौरसिया ने ग्रामीणों की बार–बार मिली शिकायतों को दूर करने के लिए नए फीडर के लिए तार बिछाने के लिए इस्टीमेट बना कर शासन को भेजा जो स्वीकृत हो गया। लेकिन खेतों में फसल होने के कारण काम अधूरा रह गया था।

खतरे के निशान के और करीब पहुंचा सरयू का जलस्तर

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के दक्षिण में बह रही सरयू नदी का जलस्तर बढ़कर खतरे के निशान के और करीब पहुंच गया है। नदी अबर खतरे के निशान से सिर्फ 60 सेमी नीचे है। वहीं राप्ती और कुआनो नदी का जलस्तर लगातार घट रहा है।

खतरे के निशान से डेढ़ मीटर नीचे पहुंची सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अब सरयू नदी खतरे के निशान से मात्र 60 सेमी नीचे बह रही है। रविवार की सुबह जलस्तर 15 सेमी बढ़कर 78.800 मीटर पर पहुंच गया है। लगातार पानी बढ़ने से गांव की तरफ पानी भरने लगा है। अगर इसी तरह से बाढ़ का पानी बढ़ता गया तो नदी का पानी गांव में घुसने की नौबत फिर बन जाएगी। लोग गांव छोड़ने को मजबूर होंगे। अगापुर गुलरिहा, कुर्मियान, गायघाट, खालेपुरवा, कंचनपुर, सरैया, खरैया आदि गांव के लोग बाढ़ के पानी बढ़ने से भयभीत है। ग्रामीण रामशंकर, सुभाष, रामहित, संपत आदि लोगों का कहना है बाढ़ से पानी बढ़ने से ग्रामीणों को भय सताने लगा है। अगर इसी तरह से पानी बढ़ा तो गांव में पानी भरने लगेगा और ग्रामीणों को गांव छोड़ने मजबूरी होगी। दूसरी तरफ कुआनो के जलस्तर में भी कमी आ रही है। मुखलिसपुर में नदी का जलस्तर घट कर 77.760 मीटर पर पहुंच गया। यह खतरे के निशान से 89 सेमी नीचे है।

मेंहदावल के बढ़या ठाठर में राप्ती नदी का जलस्तर तेजी से घटने का सिलसिला बना रहा। जिससे हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। नदी घटकर 78.500 मीटर पर पहुंच गई, जो खतरे के निशान 79.500 मीटर से 100 सेमी नीचे है। बाढ़ का खतरा कम होने से ड्रेनेज खंड के अधिकारी, कर्मचारी के साथ ग्रामीण राहत महसूस करने लगे हैं। जलस्तर घटने से करमैनी बेलौली बांध पर दबाव समाप्त हो गया है। साथ ही नदी अपने सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रही है। कटान का संभावित खतरा भी अब टलता नजर आ रहा है। नदी के लगातार घटाव से ड्रेनेज खंड के अधिकारी व कर्मचारी की भागदौड़ भी थम गई है। बारिश ठप होने से रेनकट्स की संभावना नहीं के बराबर हो गई है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सुखलाल चौहान व किशन लाल पुत्र श्री राजेन्द्र चौहान ग्राम– खिदरीपुर थाना–छावनी तहसील हर्रैया जनपद बस्ती का निवासी है। सुखलाल चौहान व किशन लाल दोनों नाम हमारे हैं। मेरा आधार कार्ड सुखलाल चौहान के नाम से है। जीवन बीमा सहित कुछ कागजातों में मेरा नाम किशन लाल दर्ज है। मैं दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता हूं।

कार्यालय ग्राम पंचायत बभनी मिश्र विकास खण्ड-रूधौली, जनपद-बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **बभनी मिश्र** विकासखंड **रूधौली** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित्त/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिंग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कुड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का दू हैड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 22–07–2024 से दिनांक 29–07–2024 को 11:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **बभनी मिश्र** में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 29–07–2024 को अपरान्ह 2:00 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्ते

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।

2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।

3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।

5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।

6– घरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।

7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **बभनी मिश्र** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।

9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।

10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।

11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।

12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।

13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा ।

14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है ।

15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।

16– निविदा के सबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

ग्रीशचन्द्र
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–**बभनी मिश्र**
विकास खण्ड–रूधौली जनपद बस्ती

सतीश चन्द्र गौतम
सचिव
ग्राम पंचायत–**बभनी मिश्र**
विकास खण्ड–रूधौली जनपद बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com